हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 जोकोविच ने तोड़ा फेडरर का रिकॉर्ड | सम्पादकीय | खेलने-कूदने की उम्र में जुर्म | श्रेयस-ईशान को मिल सकता है आईपीएल... 5

वर्ष 22 ● अंक 329 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | मुरैना, शनिवार 29 मार्च 2025 | email - hindustanexpressbhopal@gmail.com, hindustanexpresshe@gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

थाईलैण्ड की राजधानी बैंकॉक में पीएम मोदी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे

बैंकॉक। थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा के निमंत्रण पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 - 4 अप्रैल 2025 को बैंकॉक, थाईलैंड के दौरे पर रहेंगे. वे 4 अप्रैल को होने वाले 6वें बिम्सटेक (बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसकी मेजबानी थाईलैंड कर रहा है. इसके अलावा, यह यात्रा आधिकारिक और द्विपक्षीय भी होगी. प्रधानमंत्री मोदी की थाईलैंड में ये तीसरी यात्रा होगी.

थाईलैंड के साथ द्विपक्षीय वार्ता-

3 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी थाईलैंड के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे. दोनों नेता आपसी सहयोग की समीक्षा करेंगे और भविष्य के लिए नई योजनाओं पर चर्चा करेंगे. भारत और थाईलैंड समुद्री पड़ोसी हैं और सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई रूप से गहरे संबंध साझा करते हैं.

भारत और श्रीलंका के बीच पहले से तय 'साझा भविष्य के लिए साझेदारी' समझौते की प्रगति की समीक्षा होगी. श्रीलंका के शीर्ष नेताओं से मुलाकात होगी. अनुराधापुर में भारतीय वित्तीय सहायता से बनाए गए विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा.

भारत और थाईलैंड के बीच रक्षा और समुद्री सुरक्षा को लेकर सहमति रही है. दोनों देशों का जोर आर्थिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों में मिलकर काम करने का रहा है. भारत और थाईलैंड के बीच व्यापारिक सहयोग काफी बेहतर रहा है. थाईलैंड भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापार करने वाला देश है. ऐसे में ये भारत के लिहाज से एक अहम देश है.

साल दर साल दोनों देशों के बीच व्यापारिक स्थिति काफी बेहतर हुई है. 2018 में थाईलैंड को भारत ने 4.86 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया था. वहीं 2021-22 में द्विपक्षीय व्यापार में 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर व्यापार देखा गया है.

बंदरगाह कनेक्टिविटी, ग्रिड कनेक्टिविटी, पेट्रोलियम पाइपलाइन आदि विषयों पर समझौते हुए हैं. भारत और थाईलैंड के बीच रक्षा और समुद्री सुरक्षा को लेकर सहमति रही है. दोनों देशों का जोर आर्थिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों में मिलकर काम करने का रहा है. भारत और थाईलैंड के बीच व्यापारिक सहयोग काफी बेहतर रहा है. थाईलैंड भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापार करने वाला देश है.ऐसे में ये भारत के लिहाज से एक अहम देश है. साल दर साल दोनों देशों के बीच व्यापारिक स्थिति काफी बेहतर हुई है. 2018 में थाईलैंड को भारत ने 4.86 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया था. वहीं 2021-22 में द्विपक्षीय व्यापार में 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर व्यापार देखा गया है.

प्रदेश के 'आकांक्षी युवा' स्वावलंबी और उद्यमशील बनेंगे: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बेरोजगारी केवल सरकारी नौकरियों से दूर नहीं होगी। 145 करोड़ जनसंख्या वाले भारत देश में सरकारी नौकरियों का अनुपात 1 प्रतिशत से अधिक नहीं है। देश के सबसे बड़े नियोजक सशस्त्र बल में भी थल, जल और वायु सेना में सम्मिलित रूप से केवल 13.5 लाख व्यक्ति ही नियोजित हैं। प्रदेश के आकांक्षी युवाओं को स्वावलंबन और उद्यमशीलता के माध्यम से रोजगार से जोड़ने के प्रयास किया जा रहे हैं। प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को अब 'आकांक्षी युवा' कहा जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से प्रदेश को 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनके आधार

पर 21 लाख युवाओं को रोजगार प्राप्त हो सकेगा। कृषि, पशुपालन तथा हुनर आधारित उद्यमों में भी प्रदेश के युवाओं को नियोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को दिल्ली में एक निजी समाचार चैनल के फायरसाइड चैट सत्र - 'हाउ स्टेटस ऐड टू इंडिया स्टोरी' को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश देश में सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य है, जिसका उन्हें गर्व है। वर्तमान में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 15 लाख करोड़ रुपए है और वार्षिक विकास दर 12त्न है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002-03 में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 11 हजार रुपए थी, जो अब बढ़कर 1 लाख 52 हजार रुपए हो गई है। वर्ष 2002-03 में प्रदेश का सिंचित रकबा 7 लाख हेक्टेयर था जो अब बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर हो चुका है, प्रदेश सरकार इसे बढ़ाकर एक करोड़ हेक्टेयर तक ले जाने के लिए प्रयासरत है। प्रदेश का वर्तमान बजट 4 लाख 21 हजार करोड़ रुपए है, जिसका केवल 10त्न ही मार्केट से पूंजीगत निवेश के लिए उधार लिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' मंत्र पर काम करती है। प्रदेश में बुलडोजर के माध्यम से न्याय करने का कोई प्रावधान नहीं है। परंतु अवैध निर्माण पर स्थानीय निकायों द्वारा नियमानुसार कार्रवाई अवश्य की जाती है। उन्होंने बताया कि प्रशासन का लक्ष्य है कि प्रदेश में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, लेकिन ऐसी किसी स्थिति में तत्परता के साथ उसका निराकरण कर उदाहरण स्थापित किया जाता है। प्रदेश में खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत खुले में मांस अथवा अन्य खाद्य सामग्री का विक्रय नियमानुसार किया जा रहा है। प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने पर उत्तराखंड और अन्य राज्यों के प्रयोग देखकर निर्णय लिया जाएगा।

युवाओं के करियर के लिए लॉंचपैड है बीपीओ सेंटर्स : केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा अशोकनगर में पहली बार होगी बीपीओ सेंटर्स की स्थापना, युवाओं को मिलेगा डिजिटल युग में करियर का सुनहरा अवसर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

अशोकनगर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयासों से अशोकनगर में पहली बार बीपीओ (BPO) सेंटर्स की स्थापना होने जा रही है। यह पहल स्थानीय युवाओं को आईटी-सक्षम रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगी और क्षेत्र को डिजिटल इंडिया के आईटी सेवा मानचित्र पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सिंधिया करेंगे BPO सेंटर्स का उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने संसदीय क्षेत्र के चार दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के तहत आज इन बीपीओ सेंटर्स का शुभारंभ करेंगे। इस सेंटर के लिए एयरटेल, वोडाफोन, जिओ और बीएसएनएल - चारों प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों द्वारा आने वाले 3 वर्षों में 3000 से अधिक रोजगार के अवसर दिए जाएंगे।

अभी 200 युवाओं का चयन किया गया है, 92 युवाओं का प्रशिक्षण किया जा रहा है, करीब 100 ट्रेनिंग पूर्ण कर चयनित होने की प्रक्रिया में हैं, 50 से जयदा युवाओं ने कार्य शुरू कर दिया है और आने वाले समय में 600 युवाओं को जल्दी ही रोजगार के अवसर मिलेंगे।

केंद्रीय मंत्री की प्रतिबद्धता: युवाओं के लिए उज्जवल भविष्य

क्षेत्रीय विकास व रोजगार के लिए केंद्रीय मंत्री ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। यह बीपीओ केंद्र अशोकनगर, गुना, शिवपुरी और चंदेरी के युवाओं को डिजिटल युग में नौकरी के नए आयाम प्रदान करेंगे और इस क्षेत्र को आईटी सेवा हब के रूप में विकसित करने की दिशा में आगे ले जाएंगे।

मंत्री सिंधिया ने ट्वीट कर कहा '29 मार्च 2025 - अशोकनगर में विकास के नए अध्याय की होगी शुरुआत!'

विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर आज मुरैना आयेंगे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर आज 29 मार्च को मुरैना आयेंगे। अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विस अध्यक्ष श्री तोमर आज सुबह 5:50 बजे नईदिल्ली रेलवे स्टेशन से मुरैना के लिए प्रस्थान करेंगे। वे शताब्दी एक्सप्रेस द्वारा प्रातः 8:57 बजे मुरैना आयेंगे। श्री तोमर प्रातः 9:10 पर सर्किट हाउस पहुंचेंगे तथा यहां से शनि मंदिर के लिए रवाना हो जायेंगे। यहां से लौटने के बाद विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 के शिविर में सहभागिता करेंगे।

सरकार ने बढ़ाया केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता

7 साल में सबसे कम, 2 प्रतिशत

नई दिल्ली। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार (28 मार्च) को हुई कैबिनेट मीटिंग में डीएबढ़ोतरी पर फैसला हुआ। इससे पहले जुलाई 2024 में सरकार ने 3% बढ़ोतरी की थी।

8वें वेतन आयोग के लागू होने से पहले इस बढ़ोतरी से महंगाई भत्ता 53% से बढ़कर 55% हो जाएगा। इसका फायदा करीब 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 66 लाख पेंशनर्स को होगा। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी 2025 से लागू होगी। डीए की घोषणा में देरी हुई इसलिए अप्रैल के वेतन में पिछले तीन महीनों (जनवरी-मार्च 2025) के एरियर के साथ बढ़ा हुआ डीए भी शामिल होगा।

आमतौर पर महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी 3% से 4% के बीच होती है, लेकिन इस बार बढ़ोतरी सिर्फ़ 2% है। ये पिछले सात सालों में सबसे कम है।

रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 में 10285 लोगों के हुये पंजीयन, 179 लोगों के हुये ऑपरेशन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 के तहत 28 मार्च को पुलिस परेड ग्राउंड मुरैना में 10 हजार 285 लोगों ने पंजीयन कराये। पंजीयन के दौरान प्रांतो से आये डॉक्टरों ने मरीजों के परीक्षण किये एवं समुचित इलाज दिया। जबकि 179 लोगों की सर्जरी की गई।

रोटरी के पदाधिकारी डॉ. संजीव बांदिल ने बताया कि 1204 जनरल ओपीडी, 5056 मेडीसन, 714 ऑर्थोपैडिक्स, 03 पीडियाट्रिक, 332 ईएनटी, 190 गायनकलॉजी, 128 सरर्जी, 1157 ऑपथामॉलोजी, 314 डेंटल, 65 यूरोलॉजी, 17 सायकिएट्री, 6 ऑनकोलॉजी, 428 डरमैटलॉजी, 368 पुलमोनरी एवं 3 एनसीडी क्लीनिक लोगों ने पंजीयन कराये। इसी प्रकार कार्डियोग्राफी के 120, यूएसजी के 343, राहत में 270, जिला अस्पताल में 73, पैपस्मीयर के 70 और मैमोग्राफी के 40 ऑपरेशन किये गये।

कुल सर्जरी में सामान्य सर्जरी 05, गायनिक की 3, डेंटल की 86, आई के 72, एनटी के 7, प्लास्टिक सर्जरी के 04 इस प्रकार कुल 177 लोगों की सर्जरी की गई। जबकि 1779 की सुगर,2149 लोगों की बीपी की जांच और 475 के एक्स-रे किये गये।

कल आरोग्यधाम नवीन चिकित्सालय का भूमिपूजन करेंगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ग्वालियर। आरोग्यधाम चिकित्सालय अपने मूल उद्देश्य उच्च गुणवत्ता उचित मूल्य के साथ शहर एवं ग्रामीण अंचल के गरीब व सामान्य जन को उच्चतम गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं उचित दरों पर प्रदान करता है। चिकित्सालय का निर्माण समाज के सहयोग से किया गया है। चिकित्सालय में कार्य करने वाले चिकित्सक व कर्मचारी निरंतर सेवा भाव से कार्य कर रहे हैं। यह चिकित्सालय व्यवसाय के लिए नहीं बल्कि आम जनता के उत्तम उपचार के लिए स्थापित किया गया है जिसमें सिर्फ चिकित्सालय संचालन करने हेतु निम्नतम मूल्य लेकर उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। सिटी सेंटर स्थित वर्तमान चिकित्सालय 200 बिस्तर वाला अत्याधुनिक सुविधायुक्त परिसर के रूप में ग्वालियर चंबल क्षेत्र में पहचान बना चुका है। यह बात इंजीनियर मधुसूदन सिंह भदौरिया ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहीं।

इंजीनियर मधुसूदन सिंह भदौरिया ने बताया कि आरोग्यधाम की वर्तमान सेवाओं को दृष्टिगत रखते हुए गोले का मंदिर पर सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं प्रारम्भ करने के लिए नवीन भूखण्ड आवंटित किया गया है। यहां पर लगभग 500 करोड़ रुपए की लागत से 500 बिस्तर के नवीन चिकित्सालय का अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ निर्माण होगा। जिसका भूमिपूजन कल 30 मार्च को अपरान्ह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा। मुख्य वक्ता सह कार्यवाह मध्यक्षेत्र रा.स्व. संघ हेमंत मुक्तिबोध होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार शिवराज सिंह चौहान, संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री भारत सरकार ज्योतिरादित्य सिंधिया, अध्यक्ष मध्यप्रदेश विधानसभा नरेंद्र सिंह तोमर, एम.डी. मनीष सिंघल उपस्थित रहेंगे। भदौरिया ने बताया कि नवीन चिकित्सालय में सेंटर फॉर कार्डियक केयर, एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, कार्डियक सर्जरी बायपास सर्जरी, मिनिमल इनवेसिव (छोटे चीरे द्वारा) कार्डियक सर्जरी, वॉल्व रिपेयर एवं रिप्लेसमेंट सर्जरी, एओर्टिक सर्जरी, बच्चों की हार्ट सर्जरी, सेंटर फॉर न्यूरोलॉजी एण्ड न्यूरोसर्जरी एण्डोस्कोपिक ब्रेन एण्ड स्पाइन सर्जरी, एण्डोव्सकुलर इण्टरवेंशन, ट्रोमा - स्पाइन एण्ड ब्रेन, सेंटर फॉर लिवर एण्ड बिलिअरी रोग, सेंटर फॉर ऑकोलॉजी एण्ड ऑकोसर्जरी, सेंटर फॉर रीनल डिसीज एण्ड ट्रांसप्लांट सेंटर फॉर चिल्ड्रन केयर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। पत्रकार वार्ता में तराणेकर स्मृति सेवा न्यास के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, सचिव सुरेश गुप्ता, आरोग्यधाम चिकित्सालय संचालन समिति के अध्यक्ष मनोज सिंघल, सचिव अनूप अग्रवाल, विष्णु जैन उपस्थित थे।

भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय का कलचुरी महासभा ने किया भव्य स्वागत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। गालव ऋषि की तपोभूमि ग्वालियर आयीं भोपाल शहर प्रथम नागरिक भोपाल शहर की महापौर श्रीमती मालती राय जी का ग्वालियर नगर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में कलचुरी महासभा के अध्यक्ष सुरेश शिवहरे, रघुवीर राय, देवेंद्र पवैया, हरिओम राय, नरेंद्र राय, धर्मेंद्र शिवहरे, सुग्रीव राय, दीपक राय, कलचुरी महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शिवहरे, श्रीमती आशा शिवहरे, पार्षद श्रीमती अंजना शिवहरे, श्रीमती संगीता गुप्ता आदि शामिल हैं।

"पोषण भी-पढ़ाई भी" प्रशिक्षण शिविर का भोपाल की टीम ने किया निरीक्षण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। महिला बाल विकास विभाग के तत्वाधान में ''पोषण भी-पढ़ाई भी'' कार्यक्रम के तहत चल रहे प्रशिक्षण बैच 2 का औचक निरीक्षण भोपाल से आई विभाग की टीम द्वारा किया गया। 28 मार्च को त्यागी धर्मशाला में पोशनदीप पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत महिला बाल विकास विभाग परियोजना एक एवं दो के अंतर्गत चल रही प्रशिक्षण का भोपाल मेला बाल विकास विभाग से श्रीमती श्रीजा एवं श्रीमती शालिनी मैडम द्वारा आकाश निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण में उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम शासन के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने

की उद्देश्य से चलाया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की उन्मुखीकरण के लिए चलाने की महिला बाल विकास विभाग मध्य प्रदेश शासन की महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना को पोषण भी एवं पढ़ाई का नाम भी दिया गया है, जिसमें जीरो से 6 वर्ष के बच्चों की रचनात्मक सामाजिक भावनात्मक एवं संज्ञानात्मक विकास को प्रोत्साहित करेगा। आप सभी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर भी इन शासन की योजना को अमलीजमा भी पहनाने की जिम्मेदारी है। इस दौरान जौरा महिला बाल विकास विभाग परियोजना एक की प्रभारी सीडीपीओ श्रीमती आरती राजपूत, परियोजना दो की प्रभारी सीडीपीओ श्रीमती गिरिजा यादव एवं श्रीमती सुषमा बरेटिया, श्रीमती संदीप, श्रीमती पुष्पा शर्मा, श्रीमती दीपक कनौजिया, श्रीमती प्रियंका भावसार, श्रीमती शशि सोलंकी, श्रीमती गीता टुंडेलकर, श्रीमती रेखा शर्मा, श्रीमती गुड्डी नट सहित तमाम आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं भी उपस्थिति रहीं। आभार श्रीमती आरती राजपूत एवं श्रीमती गिरिजा यादव ने व्यक्त किया।

नगर पालिका जौरा में ''स्वच्छता की बात-अपनों के साथ'' कार्यशाला आयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। विगत दिवस गुरुवार के दिन नगर पालिका परिषद् जौरा द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 एवं ओडीएफ++ प्रमाणीकरण के तहत ''स्वच्छता की बात-अपनों के साथ'' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती उर्मिला त्यागी, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष शगुन चंद्र जैन एवं बैजनाथ रावत के साथ साथ पार्षदगण विनोद बंटी रावत के साथ गणमान्य नागरिक डॉ. रवीन्द्र त्यागी, दामोदर सिंह जाटव भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा नेत्री श्रीमती उर्मिला त्यागी ने कहा कि नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी व उनकी परिषद के विशेष सहयोग और प्रयासों से जौरा नगर को विकास की नई दिशा मिली है। शहर के हालात बदले हैं। उन्होंने नगर के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने में योगदान दें।

कार्यशाला में अपने उद्बोधन में पूर्व मंडल अध्यक्ष शगुन चंद्र जैन ने ने भी नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी की तारीफ करते हुए कहा कि श्री माहेश्वरी नगर में विकास की नई इबारत लिखी है। नगर के तमाम क्षेत्रों में जो विकास कराया है उससे लोगों को राहत मिली है।

डॉ. रवीन्द्र त्यागी ने संबोधित करते कहा कि अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने सबका साथ-सबका विकास के नारे को साकार किया है। आपने नगर परिषद जौरा को नगर पालिका के रूप में उन्नयन कराने का कार्य कराया। नगर के तमाम क्षेत्रों में सड़कों की जर्जर हालत में पड़ी हुई सड़कों का निर्माण करवाकर आम नागरिकों को गंदगी, बदबू और कीचड़ को समाप्त कर आम नागरिकों को बहुत बड़ी राहत प्रदान की है। शहर तेजी से साफ,स्वच्छ और सुंदर बन रहा है। नवीन पार्कों का निर्माण किया गया है। नगर को स्वच्छता सर्वेक्षण रेटिंग में अच्छी स्तिथि में शामिल कराने के लिए विशेष योगदान देना होगा।

इस विशेष कार्यशाला में अपने अध्यक्षीय भाषण में कार्यशाला में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी ने कहा कि आज नगर का विकास हो रहा है वह विकास आप सभी नगरवासियों और मेरी परिषद के साथियों के साथ-साथ नगर पालिका समस्त अधिकारी व कर्मचारियों अर्थात् सभी सफाई मित्रों के साथ और विशेष योगदान और अनूठे प्रयासों से ही संभव हुआ है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि नगर को स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने हेतु हम सब को मिलजुल प्रयास करने होंगे, तभी शहर गंदगी और बीमारियों से बचाने का कार्य किया जा सकता है। आज नगर में करोड़ों रुपए की लागत से जो भी निर्माण हुए हैं। उसका श्रेय में आप सबको तथा हमारी संवेदनशील भाजपा सरकार को देता हूं, जो हमारे अपेक्षाएं पूरी करते हुए नगर विकास में महत्वपूर्ण सहयोग दे रही हैं। शहर को साफ,स्वच्छ और सुंदर बनाने हेतु नागरिकों को भी अभूतपूर्व योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम में स्वच्छता निरीक्षक दिनेश शर्मा ने कार्यशाला आयोजन के उद्देश्य व महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करते नगर हित में आगामी कार्ययोजना के बारे में भी अवगत कराया। कार्यशाला में शामिल हुए अतिथियों का मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीरेंद्र सिंह रावत द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत वंदन अभिनंदन किया गया। सभी सफाई मित्रों कर्मचारियों व अधिकारियों को अध्यक्ष स्वागत किया गया तथा कार्यशाला में शामिल सभी को सामूहिक भोजन भी कराया गया। कार्यक्रम मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीरेंद्र सिंह रावत की देख देख में किया गया।

इस कार्यशाला में स्वच्छता निरीक्षक दिनेश शर्मा और स्वच्छता पर्यवेक्षक महेश चंद्र त्यागी सहित नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। आयोजित कार्यक्रम में आम लोगों ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। माहेश्वरी जी ने लोगों से संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम में सफाई मित्रों को नपाध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीरेंद्र सिंह रावत और अतिथियों के हाथों 100 (सौ) कचरा गाड़ियां भी वितरित की गई।

कार्यक्रम संचालन एडवोकेट दिनेश सिंह ने किया तथा उपस्थित नागरिकों को कार्यशाला की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई इस कार्यशाला के दौरान संवाद में सहमति जताई कि नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने, जीएफसी स्टार रेटिंग प्राप्त करने एवं ओडीएफ++ प्रमाणीकरण के लिए आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की गई। नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई ताकि जौरा को स्वच्छता रैंकिंग में उच्च स्थान मिल सके।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

प्रयागराज। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को गांधी सभागार में मण्डलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मण्डलायुक्त ने निवेश मित्र पोर्टल, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना, एमएसएमई नीति, ए मोनारकों इण्डस्ट्रियल स्टेट तेलियरंगज सहित अन्य विषयों से सम्बंधित प्रकरणों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उद्योग बंधुओं की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि उद्योग धंधों को बढ़ावा देना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी।

मण्डलायुक्त ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना 2024-25 की समीक्षा करते हुए बैंको में निर्धारित समय सीमा के बाद भी लम्बित आवेदन पत्रों का निस्तारण न किए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने सभी बैंको को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना से सम्बंधित आवेदन पत्रों को अनिवार्य रूप से गुण-दोष के आधार पर निर्धारित समयसीमा में निस्तारित करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने निवेश मित्र पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों को भी समय सीमा में निस्तारित किए जाने का निर्देश सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को दिया है। बैठक में एम.एस.एम.ई. के तहत चार ईकाईयों, जिसमें दो फतेहपुर व दो प्रयागराज को योजना से लाभान्वित कराया गया। ए मोनारको इण्डस्ट्रियल स्टेट तेलियरंगज से सम्बंधित प्रकरण के लिए गठित कमेटी को प्रकरण का निस्तारण दिए गए समय में किए जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर उद्योग समिति के सदस्य मुरारी लाल अग्रवाल, नटवर लाल, संयुक्त आयुक्त उद्योग शरद टण्डन सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगणों के अलावा उद्यमीगण उपस्थित रहे।

छात्रा तमन्ना गुप्ता ने 5 वीं कक्षा में 86 प्रतिशत अंकों के साथ हासिल की A+ रैंक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 24 फरवरी से 01 मार्च तक विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर संपन्न कराई गई कक्षा 5 वीं व 8 वीं की परीक्षाओं का परिणाम शुक्रवार दोपहर पोर्टल पर जारी किये गये। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही अपनी परीक्षा का परिणाम जानने के लिए स्कूल संचालक व छात्र-छात्राओं के अविभावकगणों ने कंप्यूटर, लैपटॉप व मोबाइल फोन के जरिए समग्र आईडी अथवा रोल नंबर के जरिए अपने अपने परीक्षा परिणाम प्राप्त किए। वहीं कस्बे के किड्स जॉन पब्लिक स्कूल में अध्यनरत कक्षा पांचवी से अंग्रेजी मीडियम की छात्रा कु. तमन्ना गुप्ता पुत्री विजय गुप्ता पत्रकार

ने 400 में से 344 अंकों के साथ 86 प्रतिशत अंक हासिल कर A+ रैंक हासिल की है। छात्रा तमन्ना गुप्ता की इस सफलता पर जहां विद्यालय के डायरेक्टर इंजीनियर जगदीश गुप्ता व अन्य शिक्षक शिक्षकाओ ने मिठाई खिलाकर बधाई दी गई वहीं छात्रा के सहपाठियों ने भी बधाई दी है।

कानून व्यवस्था को लेकर कम्युनिस्ट पार्टी ने दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। जिले भर में कानून व्यवस्था ठप है, आमजन परेशान है, दलित आदिवासियों पर अत्याचार हो रहे हैं। फिर भी शासन-प्रशासन के नुमाइंदे चुप्पी साधे बैठे हुए हैं। इस आशय का एक ज्ञापन मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा हंसराज शर्मा के नेतृत्व में अनु विभागीय अधिकारी को दिया गया। एसडीएम को दिए गए ज्ञापन में लिखा है कि जिलेभर में दलित, आदिवासियों पर जुल्म अत्याचार हो रहे हैं, उनकी जमीनों पर कब्जा दबंग लोग कर रहे हैं, जिले भर में लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही है जिससे दलित, आदिवासी

परेशान हैं। पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। ज्ञापन देने वालों में हंसराज शर्मा के साथ ओमप्रकाश, पप्पन कुरेशी, राजीव गुप्ता, प्रहलाद सिंह कुशवाहा आदि शामिल हैं।

चैत्र नवरात्रि पर माँ हाथी पर सवार होकर आयेंगीः पं. अनिल शर्मा एसडीओ दूरसंचार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। पं.अनिल शर्मा एसडीओ दूरसंचार ने बताया कि इस बार चैत्र नवरात्रि में माँ दुर्गा हाथी पर सवार होकर के आएंगी और हाथी पर ही प्रस्थान करेंगी। साल के चार नवरात्रियों में इस बार चैत्र नवरात्रि पर ऐसा होगा। 30 मार्च को घट स्थापना होगी। अनिल शर्मा ने बताया कि शास्त्र और उपनिषदों के अनुसार हाथी पर सवार होकर के माँ को शुभ माना जाता है, क्योंकि यह शुभ संकेत वैभव ऐश्वर्य और लक्ष्मी तथा सुख समृद्धि का होता है। इसका अर्थ यह है कि यह किसानों के लिए बहुत लाभकारी है। खेत में फसल अधिक होगी। पानी की अधिक बरसात होगी और पानी की कमी नहीं आएगी। इस बार चैत्र नवरात्रि 8 दिन की होगी। इस वर्ष के संवत्सर के राजा और मंत्री दोनों ही सूर्य हैं।

अनिल शर्मा के अनुसार चैत्र नवरात्रि में घट स्थापना का मुहूर्त

घट स्थापना का 30 मार्च को मुहूर्त प्रातःकाल सूर्योदय से दिन के 12:49 तक पूरा समय है। इसमें सूर्योदय समय और प्रातः 6:26 से 10:26 तक शुभ और श्रेष्ठ मुहूर्त है। दूसरा अभिजीत मुहूर्त

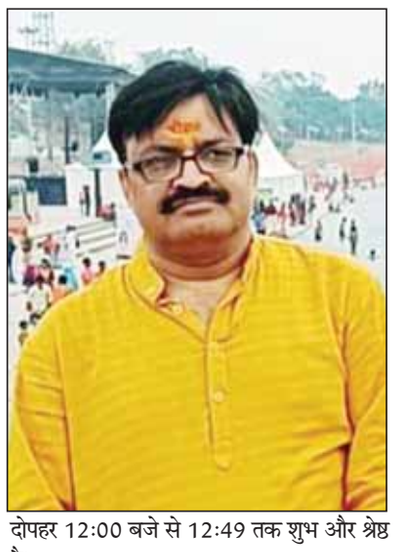

दोपहर 12:00 बजे से 12:49 तक शुभ और श्रेष्ठ है।

रामनवमी 06 अप्रैल 2025, रविवार को मनाई जाएगी। नवरात्रि में कन्या पूजन का महत्व- नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष महत्व है। यह नवरात्रि के आठवें और नौवें दिन किया जाता है।

छात्र अनंत शर्मा ने आठवीं कक्षा में 91.5 प्रतिशत अंकों के साथ हासिल की ए प्लस रैंक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र के स्कूल की शिक्षा विभाग द्वारा 24 फरवरी से 01 मार्च तक विभिन्न परीक्षा केदो पर सम्पन्न कराई गई कक्षा पांचवीं, आठवीं की परीक्षाओं का परिणाम शुक्रवार को दोपहर पोर्टल पर जारी किया गया।

कक्षा आठवीं की परीक्षा में अनंत शर्मा पुत्र अजय शर्मा जो की सम्राट इंटरनेशनल स्कूल के छात्र हैं ने साढ़े 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ए प्लस रैंक हासिल की है। अनंत शर्मा पत्रकार चंद्र मोहन शर्मा के कजन भाई हैं। मेधावी अनंत शर्मा कि इस शानदार सफलता पर सम्राट इंटरनेशनल विद्यालय के संचालक राजेश पचौरी, कौशल शर्मा ने छात्र को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उनकी सफलता पर उनके सहपाठियों ने भी आनंद शर्मा को बधाइयां दी हैं।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
॥ भगवान श्री सहस्त्रार्जुनाय नमः ॥

कलचुरि कलार महासभा, ग्वालियर
कलचुरि महिला मण्डल, ग्वालियर

सामूहिक विवाह सम्मेलन

समस्त समाज बन्धुओं को बड़े हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि कलचुरि कलार महासभा, ग्वालियर ने सामुहिक विवाह सम्मेलन करने का निर्णय लिया है। जिसमें 51 जोड़ों का विवाह किया जाना तय है। समस्त समाज बन्धुओं से निवेदन है जो अपने पुत्र एवं पुत्री का विवाह सम्मेलन से करना चाहते हैं वह अपने-अपने फार्म समिति के पास जमा करने का कष्ट करें।

मुख्य संरक्षक:
सेठ नरेश गुप्ता जी
सेठ लक्ष्मी नारायण जी शिवहरे
सेठ रामस्वरूप जी शिवहरे (लल्ला)

कार्यक्रम:
दिनांक : 30 अप्रैल 2025, बुधवार
समय : प्रात: 10:00 बजे से
स्थान : फूलबाग मैदान, ग्वालियर

संरक्षक: सर्वश्री प्रेम नारायण गुप्ता (एडवोकेट), आर.एन.गुप्ता, अशोक शिवहरे (IAS), दिनेश जायसवाल, जयपाल सिंह महाजन, श्री जमुना प्रसाद महाजन, मदन पवैया, निरंजन सिंह राय,आनन्द प्रकाश गुप्ता, केदारनाथ गुप्ता, होतम शिवहरे, पूरन शिवहरे, भगवान दास गुप्ता, शिवदयाल पवैया यादराम शिवहरे, रामजीलाल शिवहरे (तानसेन नगर), रमेश चंद्र शिवहरे , बाबूलाल राय, शिवरंजन गुप्ता, ओम नारायण शिवहरे, हरिशंकर शिवहरे, कमल जायसवाल, राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, हरीबाबू शिवहरे, जगदीश शिवहरे (जौरा), जगदीश शिवहरे (परेड), भगवती प्रसाद जायसवाल, हरिनाराण जायसवाल, चन्द्रप्रकाश शिवहरे, मूलचंद्र शिवहरे, रमेशचंद्र शिवहरे (चना कठोर), बच्चनवाल शिवहरे, किशोरलाल राय, देवीचरण राय, लोकमन सिंह राय, सीताराम राय एवं समस्त वरिष्ठ समाज बन्धुगण

अध्यक्ष: सुरेश चन्द्र शिवहरे मोबा: 9826296595
कार्यकारी अध्यक्ष: वेद प्रकाश शिवहरे मोबा: 9425115799
कार्यकारी अध्यक्ष: देवेन्द्र पवैया मोबा: 9826272626
महासचिव: रघुवीर राय मोबा: 9826187408

फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2025

फॉर्म प्राप्त एवं जमा करने का स्थान

श्री रघुवीर राय
पी.एच.ई. कॉलोनी, मोतीझील, ग्वालियर
मोबाइल 98261-87408

होटल महिमा
रेलवे स्टेशन प्लेट फार्म नंबर 4 के पास
ग्वालियर मोबाइल 98263-47357

श्री रामस्वरूप जायसवाल
एस.एन.बेलवेट हाउस
मोची ओली, दयानंद मार्ग, लश्कर, ग्वालियर
मोबाइल 96917-57863

सिटी पैलेस होटल
संजय कॉम्पलेकस जयेन्द्रगंज, लश्कर, ग्वालियर
मोबाइल 98262-72626

निवेदक:- दैनिक हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

कक्षा 5 व 8वीं में 80 प्रतिशत से ऊपर बच्चे पास

- लगभग 8 हजार परीक्षार्थी असफल, पास होने के लिये मिलेगा एक और मौका

ग्वालियर। बोर्ड की तर्ज पर राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा कराई गई कक्षा 5 व 8वीं का परीक्षा परिणाम शुक्रवार की शाम को भोपाल से एक साथ घोषित हुआ। जिसमें छात्रों की अपेक्षा छात्राओं ने सर्वाधिक अंक लाकर ए ग्रेड की बाजी मारी है। ग्वालियर में कक्षा 5 व 8वीं का उत्तीर्ण प्रतिशत 80 के ऊपर रहा हैं। ए प्लस ग्रेड में उत्तीर्ण प्रतिशत कक्षा 8वीं की अपेक्षा कक्षा 5वीं की रही है। उधर डबरा में इस बार सुधार हुआ है। जिले में सर्वाधिक उत्तीर्ण प्रतिशत मुरार ग्रामीण का रहा है। कक्षा 5 व 8वीं के यहां 92 प्रतिशत बच्चे पास हो गये हैं। जबकि समूचे जिले में कक्षा 8वीं के केवल 83 प्रतिशत परीक्षार्थी पास हुये हैं।

यहां बता दें कि राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा बीते माह 24 फरवरी से कक्षा 5 व 8वीं की वार्षिक परीक्षायें शुरू हुई थी, जो 5 मार्च तक संचालित हुई थी। उसके बाद जिले के अलग अलग ब्लाक बदलकर तथा शहरी क्षेत्र की डाइट में मूल्यांकन हुआ था। उसके बाद आनलाइन राज्य शिक्षा केन्द्र की साइट पर मूल्यांकन के नंबर फीड कराये गये थे। आखिर परीक्षा समापन के केवल 23 दिनों में ही परीक्षा परिणाम आ गया। शुक्रवार की देर दोपहर को राज्य शिक्षा केन्द्र ने अपनी साइट पर जैसे ही कक्षा 5 व 8वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया तो बच्चों के साथ साथ अभिभावकों

की भी आनलाइन सेंटरों पर भीड़ लगना शुरू हो गई। कई अभिभावकों ने घर पर अपने मोबाइलों से रिजल्ट का पता लगाया। जिला शिक्षा केन्द्र एपीसी श्रीमती पंकज कुशवाह ने बताया कि ग्वालियर में कक्षा 5वीं के 28 हजार 972 परीक्षार्थी वार्षिक परीक्षा में शामिल हुये थे। जिसमें से 25 हजार 383 परीक्षार्थी पास हो गये हैं। अतः परीक्षा परिणाम 88 प्रतिशत रहा है। इसी तरह कक्षा 8वीं में इस साल सत्र 2024-25 में 29 हजार 524 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी। जिसमें से 24 हजार 620 परीक्षार्थी पास हो गये है। अतः उत्तीर्ण प्रतिशत 83 रहा है। ब्लाक घाटीगांव को छोड़कर अधिकांश सभी ब्लाक में उत्तीर्ण प्रतिशत बहुत अच्छा रहा है। सबसे अच्छा उत्तीर्ण प्रतिशत मुरार ग्रामीण का रहा है। इस तरह कक्षा 8वीं में 4904 और कक्षा 5वीं में 3589 परीक्षार्थी असफल हुये हैं। उन्हें एक मौका और दिया जायेगा।

75 से अधिक अंक लाने वाले ए ग्रेड विद्यार्थी

ग्वालियर में कक्षा 5वीं के 32 प्रतिशत बच्चे 90 से अधिक अंक लाये है। जिन्हें एए प्लस ग्रेड का दर्जा दिया गया है। वहीं 75 से 89 तक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को ए ग्रेड का दर्जा दिया गया है। ग्वालियर में कक्षा 5वीं के एए प्लस ग्रेड वाले 19 प्रतिशत बच्चे हैं। मुरार ग्रामीण, मुरार शहरी क्रमांक एक और शहर क्रमांक दो के विद्यार्थियों ने तो सर्वाधिक ए ग्रेड अंक लाकर कक्षा 5वीं पास की है।

डबरा में सुधार, घाटीगांव सबसे पीछे

शुक्रवार को इस साल ग्वालियर जिले में कक्षा 5 व 8वीं के परीक्षा परिणाम आने के बाद शिक्षा अधिकारियों ने समीक्षा करना शुरू कर दिया है। समूचे जिले में मुरार ग्रामीण के अधिकांश परीक्षार्थी पास हुये हैं। यहां का परीक्षा प्रतिशत 92 रहा है। जबकि बीती साल की अपेक्षा डबरा में सुधार आया है। कक्षा 8वीं में 80 प्रतिशत विद्यार्थी पास हो गये है। जबकि घाटीगांव ब्लाक में 27 प्रतिशत बच्चे फैल हो गये है। कुछ इसी तरह की हालत कक्षा 5वीं में भी रही है।

83 प्रतिशत अंक लाकर अनन्या ने बाजी मारी

राज्य शिक्षा केन्द्र की वार्षिक परीक्षा कक्षा 8वीं में कु. अनन्या शर्मा पुत्री शैलेन्द्र शर्मा ने सेंट जोसेफस्कूल में पढ़कर 83 प्रतिशत अंकों के साथ बाजी मारी है। संस्कृत व विज्ञान में 90-90 अंक अर्जित किये है। सभी में डिस्टिंकशन लगी है, तो वहीं कक्षा 5वीं में वैष्णवी तोमर पुत्री देवेन्द्र सिंह ने 400 में से 320 अंक प्राप्त कर मिशन हायर सैकेण्डरी स्कूल नाका चंद्रवदनी में क्लास टाप किया है।

लेनदेन में युवक को मारी गोली मारने वाला आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। तीन दिन पहले रवि जाटव को गोली मारकर फरार हुए आरोपी नितिन रजक को माधौगंज थाना पुलिस ने गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात को गुढी गुढा का नाका मरघट के पास से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा और एक खाली राउंड का खोखा बरामद किए हैं। घायल और पकड़े गए आरोपी के बीच रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद था। घायल युवक ने घटना के बाद पहले गोली लगने को पटाखा समझा था कि उस पर किसी ने पटाखा फेंका है, बाद में अस्पताल में एक्सरे में स्पष्ट हुआ कि उसे गोली मारी है। पकड़े गए बदमाश से पुलिस पूछताछ कर रही है।

माधौगंज थाना प्रभारी प्रशांत शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की हैदरगंज में 25 मार्च की रात 11.45 बजे घर के बाहर खड़े युवक रवि जाटव को गोली मारने वाला आरोपी गुढी गुढा का नाका मरघट के पास खड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंची तो वहां पर एक संदिग्ध लड़का खड़ा दिखा। जिसने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर उसे धर दबोचा लिया। पूछताछ करने पर पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम नितिन रजक निवासी गुढी गुढा का नाका सरकारी मल्टी में रहने वाले के रूप में हुई है। पुलिस ने पकड़ गए आरोपी कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा एवं चला हुआ खाली खोखा जप्त किया पकड़े गए आरोपी नितिन रजक ने

है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में रूपये का लेनदेन होना पाया गया है। पुलिस को बताया है कि उन दोनों के बीच 7 हजार रुपए के लेन देन का विवाद था, उन्हें पैसों को लेकर रवि आए दिन उसके घर पर जाकर उसकी पत्नी से मांगा करता था। जिसके चलते उसने रवि को सबक सिखाने के लिए गोली मारी थी। एएसपी गजेंद्र सिंह वर्धमान ने बताया कि माधौगंज थाना पुलिस ने हैदरगंज में रवि जाटव नाम के युवक को गोली मारने वाले आरोपी को घटना में प्रयुक्त किए गए हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि रवि व नितिन के बीच सात हजार रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद था। इसी विवाद को लेकर आरोपी ने युवक को गोली मारी थी।

जमीन विवाद में फायरिंग करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, स्कॉर्पियो और नंबर प्लेट बरामद

ग्वालियर। चार दिन पहले झांसी हाईवे पर करोड़ों रुपए की जमीन को लेकर फायरिंग कर फरार हुए बदमाशों में से दो बदमाशों को झांसी रोड थाना पुलिस ने शीतला माता हाईवे से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए बदमाशों से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त काले रंग की एक स्कॉर्पियो, दो नंबर प्लेट तथा चार नट बरामद किए हैं। बता दें कि घटना 25 मार्च रविवार रात लखनौती खुर्द अड़ुपुरा की है। सूचना मिलते ही झांसी रोड थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी हमलावर भाग चुके थे। पुलिस मौके से कारतूस के खाली खोके लेकर लौट आई थी और फरियादी की शिकायत पर हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। जमीन मालिक ने जान को खतरा बताया था। घटना के समय बाइक और चार पहिया वाहन पर आए बदमाशों ने करीब 20 मिनट तक रुक रुक कर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थी। वहीं रामवीर सिंह गुर्जर पुत्र बद्री प्रसाद गुर्जर किसान हैं। उनकी अड़ूपुरा में हाईवे से लगी दो बीघा पांच बिस्वा जमीन है। रामवीर की जमीन से ठीक पीछे उनके चाचा प्रकाश गुर्जर की दो बीघा पांच बिस्वा जमीन है। रामवीर ने अपने हिस्से की जमीन का सौदा वर्ष 2024 में थाटीपुर निवासी लक्ष्मी गुप्ता पत्नी राजेश गुप्ता से किया था। कुछ समय से हुरावली सिरोल निवासी सचिन फागुना पुत्र बीरबल फागुना उस पर दबाव बना रहे थे कि प्रकाश गुर्जर की जमीन उसने खरीदी है। यह वही जमीन है जिस पर रामवीर का कब्जा है। इसी बात को लेकर सचिन फागुना आए दिन रामवीर को धमका रहे थे। रामवीर ने अपनी जमीन खाली करने से इनकार कर दिया। इस पर रविवार रात करीब 11.30 बजे चार कार व कुछ बाइक पर सवार होकर सचिन अपने साथियों के साथ पहुंचा था। वह कुछ समझ पाते उससे पहले ही कारों से काफी संख्या में उसके अन्य साथी उतरे और आते ही गाली-गलौज करना शुरू कर दिया था और जमीन पर से कब्जा छोड़ने के लिए धमकाने लगे थे। इसके बाद बदमाशों ने उनके घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। बदमाशों ने करीब 24 से 25 राउंड फायर किए थे।

संभाग आयुक्त ने सहायक आयुक्त को कार्य में उदासीनता बरतने पर किया निलंबित

ग्वालियर। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्योपुर लालजीराम मीणा को शासकीय कार्यों को निपटाने में विलंब करने सहित अनुशासनहीनता कर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के विरूद्ध होकर घोर कदाचार की श्रेणी में मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में मीणा का मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय श्योपुर रहेगा तथा निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने कलेक्टर श्योपुर के प्रतिवेदन पर उक्त कार्रवाई की है। कलेक्टर श्योपुर ने अपने प्रतिवेदन में बताया है कि अध्यक्ष जिला पंचायत श्योपुर श्रीमती गुड्डीबाई आदिवासी द्वारा सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्योपुर लालजीराम मीणा के विरूद्ध की गई शिकायत एवं विभिन्न समाचार पत्रों व न्यूज चेनलों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के संबंध में जाँच दल गठित किया गया था। जाँच दल द्वारा संयुक्त जाँच प्रतिवेदन के निष्कर्ष अनुसार सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्योपुर लालजीराम मीणा द्वारा स्वेच्छाचारिता, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का उल्लंघन एवं सरपंच सचिव के कथन के अनुसार शासकीय कार्य को करने में विलंब करने सहित अनुशासनहीनता एवं लापरवाही व उदासीनता बरती गई है। संभागीय आयुक्त द्वारा जाँच प्रतिवेदन एवं कलेक्टर के प्रतिवेदन के आधार पर श्री मीणा को निलंबित करने के आदेश जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री की प्रस्तावित यात्रा को देखते हुये कलेक्टर ने किया निरीक्षण

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 30 मार्च को ग्वालियर के प्रस्तावित भ्रमण को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विभागीय अधिकारियों के साथ गोला का मंदिर स्थित आरोग्यधाम अस्पताल के लिये प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में आयोजकों से विस्तार से चर्चा कर आयोजन की रूपरेखा समझी और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर एडीएम टीएन सिंह, एसडीएम नरेन्द्र बाबू यादव सहित संयुक्त कलेक्टर संजीव जैन एवं आयोजकगण उपस्थित थे।

कृषि विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर की अंतर महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिताओं में ओवरऑल विजेता कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर रहा। कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में चली चार दिवसीय अंतरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर, सीहोर, खंडवा तथा उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर के 200 विद्यार्थी सम्मिलित हुये।

समापन समारोह के अवसर पर निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. वाय.पी. सिंह द्वारा विजेता टीमों तथा व्यक्तिगत स्पर्धा में विजेताओं को ट्रॉफी वितरित कर तथा मेडल पहनाकर सम्मानित कि अंतरमहाविद्यालयीन खेलकूद

किया गया। उन्होंने विजेताओं का उत्साहवर्धन करते हुए बधाई दी और अन्य खिलाड़ियों का हौसला भी बढ़ाया। खेल अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह तोमर ने जानकारी देते हुए बताया प्रतियोगिताओं में पुरूष वर्ग में कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर और वही महिला वर्ग में कृषि महाविद्यालय, सीहोर विजयी रहा। बैडमिंटन में पुरूष वर्ग में कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर और महिला वर्ग में उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर विजेता रहा। टेबिल-टेनिस में पुरूष वर्ग एवं महिला वर्ग में कृषि महाविद्यालय, खण्डवा विजेता रहा। कैरम में पुरूष वर्ग में कृषि महाविद्यालय, खण्डवा और महिला वर्ग में कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर विजेता रहा। कबड्डी, खो-खो एवं बॉलीवॉल पुरूष वर्ग में कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर विजेता रहा। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. तोमर मौजूद थे।

नगर निगम संस्कृत और संस्कृति के लिए हमेशा तत्पर रहा है: डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव

- विद्वानों के सम्मान के साथ सम्पन्न हुआ भवभूति समारोह

ग्वालियर। कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, राजा मानसिंह संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर और महाकवि भवभूति शोध एवं शिक्षा समिति ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय महाकवि भवभूति समारोह का समापन नगर निगम के अपर आयुक्त प्रदीप श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य में संस्कृत के विद्वानों का सम्मान शॉल एवं श्रीफल प्रदान कर किया गया। इस अवसर पर कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के निदेशक डॉ. गोविन्द गन्धे ने शॉल एवं श्रीफल द्वारा प्रदीप श्रीवास्तव, डॉ. भगवत शरण शुक्ल और प्रो. जेएन गौतम का सम्मान किया। कार्यक्रम में रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में नगर निगम अपर आयुक्त प्रदीप श्रीवास्तव

देशभर से आए संस्कृत के लगभग 100 से अधिक संस्कृत विद्वानों एवं कवियों का नगरनिगम द्वारा सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. गोविन्द गन्धे ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की ने कहा कि नगर निगम संस्कृत और संस्कृति के लिए हमेशा तत्पर रहा है। संस्कृत आज विश्व की महत्वपूर्ण भाषा बन चुकी है। अधिकतर भाषाओं की जननी संस्कृत है। कार्यक्रम में प्रो. जेएन गौतम ने कहा कि संस्कृत से ही सभी भाषाओं की शुरुआत हुई है।उन्होंने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और आगे दिव्य-भव्य रूप में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभी प्रकार का सहयोग देने का वचन दिया। डॉ. भगवत शरण शुक्ल ने कहा कि जो व्यक्ति संस्कृत से जुड़ा है वह निश्चित ही संस्कृति से अवश्य जुड़ा होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णा जैन व आभार डॉ. बालकृष्ण शर्मा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. विकास शुक्ला, अनिल बरोड़, डॉ.मनीष खैमरिया, डॉ. नरोत्तम निर्मल, डॉ. आशा शर्मा, डॉ. हरेन्द्र भार्गव, डॉ. गिर्राज गुप्ता, डॉ. काजल सक्सैना, प्रो. आईके पात्रो, प्रो. हेमन्त शर्मा, प्रो. एस.डी. सिसौदिया, डॉ. ज्योत्सना सिंह, डॉ. राजपाल सिंह जादौन, टोटन माइति उपस्थित थे।

आवासीय वर्कशॉप में बताया मौन से आत्म पोषण एवं आत्म संवर्धन होता है

ग्वालियर। राज्य आनंद संस्थान द्वारा ग्वालियर, मुरैना एवं भिंड जिले के विभिन्न विभागों के शासकीय सेवकों के साथ आवासीय वर्कशॉप सह आनंदम सहयोगी मूलभूत प्रशिक्षण का आयोजन भारतीय पर्यटन यात्रा प्रबंधन संस्थान में किया गया। कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वर्कशॉप में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा विभिन्न टूल्स के माध्यम से स्वयं से जुड़कर, स्वयं को जानने और ईमानदारी से शांतिमय, आनन्दमय जीवन जीने की प्रक्रिया को अपने अनुभवों के द्वारा समझाया गया। साथ ही स्वयं की गहरी समझ बढ़ाने के लिए स्वयं को जानने के अभ्यास, कार्यक्रम में हेमंत त्रिवेदी, डॉ रूपा

आत्मपोषण एवं शांत समय के द्वारा कराए गए। आनंद, प्रेमांजलि त्रिवेदी, अंशुमान शर्मा, केके बुटोलिया इत्यादि मास्टर ट्रेनर्स ने विभिन्न सत्रों का संचालन किया। मास्टर ट्रेनर भारती शाक्य, गजेंद्र सरकार, आनंदम सहयोगी,रेशमा बानो हाशमी,डॉ रेखा श्रीवास्तव ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के सत्र में जिला आयुष अधिकारी डॉ मंगल सिंह यादव, डॉ चंद्रशेखर बरुआ, इंजी.अवधेश कुमार शर्मा उपस्थित रहकर अंतिम दिवस पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।सभी प्रतिभागियों ने फीडबैक देते हुए अपने अनुभवों को साझा किया। आभार जिला समन्वयक आनंद विभाग हेमंत त्रिवेदी ने किया।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक एक अप्रैल को

ग्वालियर। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक एक अप्रैल को बुलाई गई है। इस दिन यह बैठक दोपहर एक बजे जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभागार में होगी। बैठक में सामान्य सभा के सभी सदस्यों से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है। साथ ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। सामान्य सभा की बैठक में स्कूल शिक्षा, जनजाति कार्य, लोक निर्माण, विद्युत, महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों की समीक्षा होगी।

समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो विकास कार्य: संघ प्रिय

ग्वालियर। जो भी विकास कार्य चल रहे हैं वह समयसीमा में एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। निगम एवं मौलिक निधि द्वारा जो कार्य किए जा रहे हैं उनकी जानकारी पृथक-पृथक तैयार कर उपलब्ध करायें। यह बात शुक्रवार को निगम आयुक्त संघ प्रिय ने जनकार्य विभाग की समीक्षा करते हुए कहीं।

निगम आयुक्त संघ प्रिय ने शुक्रवार को शहर में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी के साथ ही जनकार्य विभाग, पीआईयू, यातायात एवं पेच रिपेयरिंग से संबंधित प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जो भी विकास कार्य चल रहे हैं वह समय सीमा में एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण हो यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। उन्होंनं कहा कि निगमएंव मौलिक निधि द्वारा जो

कार्य किए जा रहे हैं उनकी जानकारी पृथक-पृथक तैयार कर उपलब्ध करायें। इसके साथ ही यातायात व्यवस्था सुधार हेतु एवं सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान निगमायुक्त ने स्मार्ट सिटी द्वारा विकसित किए जा रहे तीन चौराहों की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में अपर आयुक्त विजय राज, मुनीष सिंह सिकरवार, अधीक्षण यंत्री जेपी पारा, कार्यपालन यंत्री पीआईयू पवन सिंघल उपस्थित थे।

निगमायुक्त ने देखी सफाई व्यवस्था

शुक्रवार सुबह निगम आयुक्त संघ प्रिय शहर का जायजा लेने निकले। सबसे पहले निगमायुक्त क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 3 के अंतर्गत वार्ड 7 गंगा विहार कॉलोनी का निरीक्षण करने पहुंचे।

यहां पर निगमायुक्त ने निरीक्षण कर साफ सफाई व्यवस्था को देखा। इस दौरान स्थानीय निवासियों से साफ सफाई के बारे में चर्चा कर कचरा वाहन के आने का समय और प्रतिदिन झाड़ू लगती है कि नहीं आदि के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने निर्माण कार्यों को भी देखा। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री जेपी पारा, कार्यपालन यंत्री सुशील कटारे, सहायक यंत्री अशोक गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी अजय ठाकुर, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी शरण कुमार उपस्थित थे।

कांग्रेस ने देश को विकास व प्रगति के पथ पर आगे ले जाने का काम किया: विधायक डॉ सिकरवार

ग्वालियर। कांग्रेस ने अनेक क्रांतिकारी कदम उठाकर देश को विकास व प्रगति के पथ पर आगे ले जाने का काम किया। वही देश में भाजपा सरकार के नेताओं ने जनता

को गुमराह करने का काम किया है, प्रदेश में भाजपा सरकार द्वारा झूठी घोषणायें, खाद्य सामग्री, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल एवं अन्य चीजों पर महंगाई जैसे कार्य कर रही है। यह विचार शुक्रवार को कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 29 के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बृहद बैठक में व्यक्त किये। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी थाठीपुर के वार्ड क्रमांक 29 में सायं 6 बजे बीजासेन मौहल्ला महलगांव में पूर्व पार्षद प्रत्याशी महेन्द्र शर्मा 'विक्की' के निवास पर सैकडों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक हुई। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा मौजूद थे। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव हेवरन कंषाना, जितेन्द्र खेमरिया, ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह चौहान, महेन्द्र शर्मा 'विक्की', श्रीमती मनीषा शर्मा, अशोक यादव, संदीप यादव, दीपक उपाध्याय, पकंज यादव, वकील सिंह पटेल, शाहरूख खान, दिनेश चौरसिया, राजीव शर्मा, वीरेन्द्र सिंह, विपिन चतुर्वेदी, रमन शर्मा आदि उपस्थित थे।

कॉमरेड मकसूद खान को दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। जिला परिषद सदस्य कामरेड मकसूद खान के निधन पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्रद्धांजलि देने वालों में राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड कौशल शर्मा, कामरेड अनवर खान, कामरेड अब्दुल शाहीद, कामरेड जालम सिंह शामिल हैं। सभी ने कामरेड मकसूद खान को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुस्तक मेला की अवधि दो दिन बढ़ी

ग्वालियर। स्कूली बच्चों को उचित दाम पर किताबें, स्टेशनरी व यूनीफॉर्म उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा पुस्तक मेला लगाया गया है। मेला परिसर स्थित दस्तकारी हाट बाजार (शिल्प बाजार) में लगे इस मेले की अवधि दो दिन बढ़ा दी गई है। अब यह पुस्तक मेला 31 मार्च की रात्रि 10 बजे तक लगा रहेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अभिभावकों व बच्चों की मांग पर मेले की अवधि बढ़ाने का फैसला किया है। ज्ञात हो पहले मेले की अवधि 29 मार्च तक निर्धारित थी। पुस्तक मेले में दुकानदारों द्वारा सभी तरह के डिस्काउंट के अलावा किताबों की खरीदी पर 10 प्रतिशत तक, स्टेशनरी पर 15 से 20 प्रतिशत और यूनीफॉर्म की खरीदी पर 30 प्रतिशत तक अतिरिक्त छूट दी जा रही है। पुस्तक मेले में हर दिन बड़ी संख्या में अभिभावक व उनके बच्चे पाठ्य सामग्री खरीदने पहुँच रहे हैं। यह पुस्तक मेला गत 22 मार्च को शुरू हुआ था।

अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर निम्नलिखित अनारक्षित मेला एक्सप्रेस स्पेशल के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः

गाड़ी सं. 01601/01602 भोपाल-इटावा अनारक्षित मेला एक्सप्रेस स्पेशल

गाड़ी सं. 01601 भोपाल-इटावा			गाड़ी सं. 01602 इटावा-भोपाल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	04:50	भोपाल	08:05	--
14:10	14:15	ग्वालियर	21:15	21:20
14:32	14:34	सनीचरा	20:10	20:12
14:44	14:46	मालनपुर	19:39	19:41
15:01	15:03	गोहद रोड	19:22	19:24
15:17	15:22	सोनी	19:03	19:08
15:55	16:00	भिण्ड	18:25	18:30
16:55	--	इटावा	--	17:40

भोपाल से- गाड़ी सं. 01601, दिनांक- 30.03.2025, 01.04.2025, 03.04.2025, 05.04.2025, 07.04.2025, 10.04.2025 एवं 12.04.2025

इटावा से- गाड़ी सं. 01602, दिनांक- 30.03.2025, 01.04.2025, 03.04.2025, 05.04.2025, 07.04.2025, 10.04.2025 एवं 12.04.2025

गाड़ी संरचनाः सामान्य श्रेणी-10, स्लीपर श्रेणी-03

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 559/25 FA

संपादकीय

खेलने-कूदने की उम्र में जुर्म, कम उम्र के बच्चे क्यों बढ़ा रहे अपराध की ओर कदम?

जिस उम्र में बच्चों के खेलने-पढ़ने और भविष्य की बुनियाद रचने का दौर होता है, उसमें आज ऐसे किशोरों की संख्या में खासी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है जो अपने सामने की न केवल नकारात्मक, बल्कि आपराधिक प्रवृत्तियों और घटनाओं से भी प्रभावित हो रहे हैं। दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक छात्र की हत्या को आए दिन होने वाले अपराधों के तौर पर ही देखा जाएगा। मगर यह घटना एक बार फिर इस बेहद चिंताजनक प्रवृत्ति को रेखांकित करती है कि देश में अब कम उम्र के बच्चों और किशोरों के व्यक्तित्व के विकास की दिशा किस ओर बढ़ चुकी है और अगर इसे तुरंत नहीं थामा गया तो आने वाले वक्त में समाज का स्वरूप कैसा होगा। गौरतलब है कि वजीराबाद में रविवार की शाम को नौवीं के एक छात्र का अपहरण करके उसकी हत्या कर दी गई और उसके बाद अगले दिन उसके परिवार को फोन करके दस लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। पुलिस ने जब मामले की छानबीन शुरू की, तब इसे अंजाम देने के आरोपी तीन किशोर पकड़े गए। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से गंभीर अपराधों में भी किशोरों की संलिप्तता के जैसे मामले सामने आ रहे हैं, उसमें यह घटना कोई आश्चर्य नहीं पैदा करती, लेकिन जिस स्तर पर कम उम्र के बच्चों के भीतर आपराधिक प्रवृत्तियों का दायरा फैल रहा है, उसमें यह बेहद चिंता की बात है कि आखिर वे कौन-से कारक हैं जो बच्चों को ऐसी मानसिकता की गिरफ्त में ले रहे हैं। जिस दौर में देश के विकास को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, उसमें समाज की बुनियाद रखने वाले किशोर उम्र के बच्चों की जिंदगी किस दिशा में बढ़ रही है। गुजरात के अमरेली जिले के एक प्राथमिक विद्यालय में 'डेयर गेम' खेलते हुए खुद को चोट पहुंचाने या फिर दस रुपए भुगतान करने की चुनौती देने के बाद पच्चीस बच्चों ने खुद को ब्लेड से घायल कर लिया। इस तरह की सोच का सिरा आगे कहां जाएगा? खुद को नुकसान पहुंचाने या फिर इससे आगे किसी जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए प्रेरित करने वाली प्रवृत्ति के स्रोत आखिर क्या हैं? कई बार ऐसा लगता है कि मौजूदा दौर में आम जनजीवन में घुल गए या फिर जरूरतों में शामिल हो चुके तकनीकी संसाधन बच्चों के विवेक पर भी हमला कर रहे हैं और उनके भीतर सही-गलत के बारे में सोचने की प्रक्रिया बाधित हो रही है। वरना क्या कारण है कि जिन आधुनिक तकनीकों को विकास का मानक मान लिया जाता है, वही कई बार एक विचित्र सम्मोहन पैदा कर रहे हैं और कई किशोर उससे प्रभावित होकर अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जघन्य अपराध करने से भी नहीं हिचकते। उनके भीतर कानून तक का खौफ नहीं होता। विडंबना यह है कि जिस उम्र में बच्चों के खेलने-पढ़ने और भविष्य की बुनियाद रचने का दौर होता है, उसमें आज ऐसे किशोरों की संख्या में खासी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है जो अपने सामने की न केवल नकारात्मक, बल्कि आपराधिक प्रवृत्तियों और घटनाओं से भी प्रभावित हो रहे हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अपने सामने परोसे जा रहे चकाचौंध के बीच वे कल्पनाएं बुनते हैं और कई बार ऐसे अपराधों को भी अंजाम देते हैं, जो उनके मौजूदा और भावी जीवन को तबाह कर देते हैं। कोई वेब सीरीज देखने या वीडियो गेम खेलने के क्रम में बच्चे कब बेलगाम सपनों के संजाल में फंस कर अपराध के दलदल में दाखिल हो जाते हैं, यह पता नहीं चलता। अफसोस की बात यह है कि बच्चों और किशोरों की यह चिंताजनक दशा और दिशा न तो समाज और न ही सरकार की चिंता में शुमार है। यह बेवजह नहीं है कि जिन बच्चों को समाज और देश के बेहतर भविष्य के लिए उम्मीद की किरण माना जाता है, उनमें से कई अक्सर बड़ी समस्या के वाहक बन रहे हैं।

निरंतरता और सफलता के बीच है गहरा संबंध, लक्ष्य को प्राप्त करना होता है आसान

सातत्य का आशय किसी भी गतिविधि की निरंतरता से होता है। अगर हम अपने चहुंओर के परिवेश या खुद अपने शरीर की किसी भी गतिविधि या क्रियाकलाप का गहन सूक्ष्मता के साथ अवलोकन करें तो हम निश्चित रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि प्रत्येक गतिविधि दो सीमांत बिंदुओं 'आरंभ' और 'अंत' के बीच संचालित होती है।

निरंतरता किसी भी मंजिल या लक्ष्य तक पहुंचने के लिए एक अनिवार्य शर्त है। जब कभी और जहां कहीं निरंतरता खंडित होती है, संबंधित गतिविधि परिणाम के बजाय दुष्परिणाम का वरण कर लेती है। सातत्य या निरंतरता और सफलता के बीच एक नितांत गहरा संबंध है, बल्कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। सातत्य का आशय किसी भी गतिविधि की निरंतरता से होता है। अगर हम अपने चहुंओर के परिवेश या खुद अपने शरीर की किसी भी गतिविधि या क्रियाकलाप का गहन सूक्ष्मता के साथ अवलोकन करें तो हम निश्चित रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि प्रत्येक गतिविधि दो सीमांत बिंदुओं 'आरंभ' और 'अंत' के बीच संचालित होती है। आरंभ और अंत के बीच का अंतराल कितना लंबा होगा, यह पूरी तरह से उस गतिविधि की निरंतरता या सातत्य पर निर्भर करता है। हम कल्पना कर सकते हैं कि हमने किसी नूतन लक्ष्य को केंद्रित करते हुए कोई क्रिया आरंभ की और बहुत कम समय के बाद ही किसी न किसी कारण से हमें उससे खत्म भी करना पड़ा। तब ऐसी दशा में हम अपने लक्ष्य को कभी प्राप्त नहीं कर पाएंगे, क्योंकि हमारे द्वारा क्रियान्वित की गई गतिविधि निरंतरता को प्राप्त नहीं कर पाई। दूसरे शब्दों में कहें तो निरंतरता किसी भी मंजिल या लक्ष्य तक पहुंचने के लिए एक अनिवार्य शर्त है। जब कभी और जहां कहीं निरंतरता खंडित होती है, संबंधित गतिविधि परिणाम के बजाय दुष्परिणाम का वरण कर लेती है। सातत्य या निरंतरता और सफलता के बीच एक नितांत गहरा संबंध है, बल्कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। इसका सर्वोत्तम उदाहरण प्रकृति है। प्रकृति के सभी मूलभूत घटक, उदाहरणार्थ- जल, वायु आदि सभी सातत्य के सिद्धांत का अनुसरण करते हैं। जल और हवा के बहाव में अगर सातत्य या निरंतरता न हो, तो निश्चित ही वे महत्त्वहीन हो जाएंगे। कलकल करती सरिता और शांत तड़ाग में निस्संदेह सततवाहिनी सरिता कहीं अधिक महत्त्व रखती है। इसका कारण केवल इतना है कि बहती हुई सरिता सदैव सातत्य के अंक में रहती है। ठहराव से उसका कोई संबंध नहीं होता। ऐसा नहीं है कि ठहराव आवश्यक नहीं है, लेकिन वह ठहराव लक्ष्य के पड़ाव तक पहुंचने के बाद ही होना चाहिए। नदी जब महासागर में विलीन हो जाती है, तभी उसका अस्तित्व अपनी यात्रा को पूरा करके ठहराव की दशा को प्राप्त कर पाता है।

जीवन की निरंतरता के बने रहने के लिए सांस में सातत्य का होना अनिवार्य है। सांस के असतत होने का सीधा-सा अर्थ है- जीवन की मृत्यु में परिणति। जन्म और मृत्यु आत्मा की अनंत यात्रा के दो पड़ाव होते हैं। इन पड़ावों के बीच यानी जन्म से लेकर मृत्यु के बीच की सीमित यात्रा का नाम ही जीवन है। अब इस यात्रा की अवधि सातत्य के स्तर पर निर्भर करती है। यात्रा सातत्य से सिंचित होगी, तो निस्संदेह हम लंबे समय तक जीवन का आनंद भोगने में सफल रहेंगे। वहीं अगर यात्रा का सातत्य किसी भी कारण से खंडित हुआ तो मृत्यु के निकट आने में कोई भी विलंब नहीं होगा। भौतिक और सांसारिक जीवन से परे इन विषयों से थोड़ा-सा संकुचित होकर केवल दैनिक जीवन, क्रियाकलापों और गतिविधियों पर ही केंद्रित रहा जाए तो भी सातत्य की महिमा कहीं न कहीं स्वयंसिद्ध है। सातत्य ही जीवन को सफल बनाने का एक मूल मंत्र है। परिस्थितियों से बिना प्रभावित हुए अपने कार्य को निरंतरता के साथ करते रहना ही सातत्य है। जीवन का कोई भी ऐसा पहलू नहीं है जहां पर सातत्य के बिना सफलता का अर्जन किया जा सके, क्योंकि सफलता का कोई भी लघु मार्ग या सूत्र अभी तक उपलब्ध नहीं है। सफलता के लिए अथक परिश्रम की आवश्यकता होती ही है, जो केवल और केवल सातत्य के माध्यम से ही संभव है।

जीवन में सातत्य का अनुसरण करने से व्यक्ति को लाभों का एक ऐसा पिटारा प्राप्त हो जाता है, जिसकी कल्पना संभवतः उसके द्वारा नहीं की गई होती है। सातत्य की प्रवृत्ति व्यक्ति को द्रुत गति से उसके लक्ष्य तक पहुंचाने में सहायक होती है। यह व्यक्तित्व को अद्भुत तरीके से निखार देता है। व्यक्तित्व के अंदर अनेक दुर्लभ विशिष्टताओं का समावेश सातत्य का अनुसरण करके ही संभव हो पाता है। इनमें सबसे मूल्यवान उपलब्धि होती है- आत्मविश्वास। किसी भी कार्य के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव अपनाते हुए उसके क्रियान्वयन में सातत्य को समाविष्ट करने से विभिन्न चरणों में आने वाली बाधाएं व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास के स्तर को उच्चीकृत करने में सहायता करती हैं। मगर सातत्य को विकसित करने के लिए हमें प्रकृति की कुछ शर्तों को स्वीकार करना होगा। इनमें से पहला और सबसे अहम शर्त यह है कि हमें किसी भी कार्य या गतिविधि के रूप वाली वैतरणी को धैर्य की नौका पर सवार होकर ही पार करने की चेष्टा करनी चाहिए, क्योंकि धैर्य वह ब्रह्मास्त्र है जो बड़ी से बड़ी चुनौतियां एवं बाधाओं को अपनी अमोघ शक्ति से चकनाचूर कर देने में सक्षम है। सातत्य के प्रादुर्भाव के लिए धैर्य परम आवश्यक है। इसके अतिरिक्त आत्मानुशासन, सकारात्मकता से परिपूर्ण मनोबल, समय का उचित प्रबंधन और ध्यान का लक्ष्य पर केंद्रित होना। ये कुछ ऐसी शर्तें हैं जो प्रकृति के द्वारा मूक रूप से हमारे समक्ष सातत्य का उपहार प्राप्त करने के बदले में रखी जाती हैं। इनका व्यवस्थित अनुपालन करने के बाद ही हम जीवन में सातत्य की अपेक्षा कर सकते हैं। हमें अपने शरीर और मन-मस्तिष्क, दोनों की गतिविधियां सातत्य से युक्त रखनी चाहिए, क्योंकि सातत्य हमारे अंदर विजय प्राप्त करने जैसी भावना को जागृत करता है। सातत्य का खंडित होना हमारे अंदर कहीं न कहीं कुंठा और निराशा को जन्म देता है और ये भाव हमारे व्यक्तित्व में विकृति उत्पन्न करते हैं। सातत्य एक ऐसा अमूल्य रत्न है जो अगर किसी ने एक बार प्राप्त कर लिया तो फिर वह आजीवन उसका लाभ सूद समेत प्राप्त करता रहेगा। साधारण से असाधारण में परिणत होने के लिए सफलता एक आवश्यक तत्त्व है, लेकिन उस सफलता की प्राप्ति के लिए सातत्य एक अपरिहार्य शर्त है।

पाठ्यपुस्तकों में गुम असली नायक, भारतीय योद्धाओं की उपेक्षा क्यों?

क्रूर औरंगजेब के बारे में हाल तक एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में यही पढ़ाया जाता रहा कि वह टूटे मंदिरों के निर्माण के लिए दान दिया करता था। क्रूर आक्रांताओं एवं आततायी शासकों में नायकत्व देखने की प्रवृत्ति विभाजन की विषबेल को सींचती और समाज को बांटती है। यह समय की मांग है कि संभाजी या राणा सांगा जैसे योद्धाओं को हमारी पाठ्यपुस्तकों में समुचित स्थान मिले। औरंगजेब के महिमामंडन का मामला खत्म भी नहीं हुआ था कि बाबर का उल्लेख कर राणा सांगा पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। औरंगजेब का महिमामंडन फिल्म छावा की सफलता के बाद शुरू हुआ था। इस फिल्म में दर्शाई गई औरंगजेब की क्रूरता एवं मजहबी कट्टरता के कारनामों से लोग स्तब्ध रह गए। इस फिल्म में स्वराज्य और स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्राणों की बाजी लगाने वाले छत्रपति संभाजी और उन्हें अमानुषिक यातनाएं देने वाले औरंगजेब का चित्रण किया गया है। संभाजी जैसे नायक की वीरता और निःस्वार्थता की कहानी देखकर स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि आखिर किन कारणों से हमारी पाठ्यपुस्तकों में आततायी शासकों एवं विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन किया गया और महानायक सी पात्रता रखने वाले भारतीय योद्धाओं की उपेक्षा की गई? उन्हें मुख्यधारा तो दूर, हाशिए पर भी जगह नहीं दी गई। छत्रपति संभाजी, पेशवा बाजीराव, लचित बरफुकन, ललितादित्य मुक्तापीड, बप्पा रावल, राणा सांगा, महाराणा कुंभा, सरदार हरि सिंह नलवा जैसे राष्ट्र नायकों की वीरता और सिख गुरुओं एवं उनकी संतानों की बलिदानी परंपरा की तुलना में तुर्कों, अफगानों, मुगलों और अंग्रेज लार्डों के अतिरंजित यशोगायन को भला कैसे उचित एवं तर्कसंगत ठहराया जा सकता है? कैसी विडंबना है कि इतिहास की हमारी पाठ्यपुस्तकों में एक ओर मुगलों की पूरी की पूरी वंशावली रटा दी गई, उन्हें उदार और न्यायप्रिय सिद्ध करने के लिए मिथ्या कहानियां रची गईं तो दूसरी ओर छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप, राजा कृष्णदेव राय, राजराजा चोल जैसे अनेक वास्तविक महानायकों को चंद पृष्ठों में समेट दिया गया? भारत ने अपनी सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा के लिए कितना कुछ भोगा, यह हमें विस्तार से बताया जाना चाहिए था, पर हुआ इसके ठीक विपरीत। हमारे आहत स्वाभिमान और अतीत के जख्मों पर मरहम लगाने के बजाय स्वतंत्र भारत की अधिकांश सरकारों द्वारा उस पर नमक छिड़कने का ही

कार्य किया गया। हद तो यह है कि देश में आततायी आक्रांताओं के नाम पर सड़कों, शहरों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक भवनों आदि के नाम रखे गए और स्वतंत्रता के बाद भी उन्हें यथावत रहने दिया गया। देश के न केवल दूर-दराज के इलाकों, बल्कि राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों के नाम भी आक्रांताओं के नाम पर मिल जाते हैं। उन्हें देखकर वर्तमान पीढ़ी के मन में कैसा भाव जगता होगा? भला कोई देश आक्रमणकारियों का गुणगान कैसे कर सकता है? क्या इंग्लैंड में हिटलर के नाम पर किसी सड़क, भवन या चौक-चौराहे के नाम रखे जाने की कल्पना भी की जा सकती है? इंग्लैंड तो छोड़िए, जर्मनी तक में हिटलर के नामो-निशान नहीं मिलते, परंतु स्वतंत्र भारत में यह सब देखने को मिलता है। बर्बरता की सभी सीमाएं लांघ जाने वाले आक्रांताओं के नाम पर इमारतों-सड़कों-शहरों के न केवल नाम रखे गए, बल्कि उन नामों पर जलसे और जश्न मनाए गए। यदि किसी प्रबुद्ध व्यक्ति अथवा संगठन आदि ने आक्रांताओं द्वारा की गई क्रूरता का विरोध किया तो उलटे उन्हीं पर सांप्रदायिकता का आरोप मढ़ दिया गया। मुगलों का महिमामंडन करने वाले बुद्धिजीवी क्या यह नहीं जानते कि मुहम्मद बिन कासिम, महमूद गजनी, मोहम्मद गोरी, अलाउद्दीन खिलजी, तैमूर, नादिर, अब्दाली आदि की तरह मुगल भी विदेशी आक्रांता थे, जिन्हें अपनी पृथक पहचान पर बड़ा गर्व था। उन्होंने भारत से लूटे गए धन का बड़ा हिस्सा समरकंद, खुरासान, दमिश्क, बगदाद जैसे शहरों एवं इस्लामिक खलीफाओं की शानो-शौकत पर खर्च किया। वे स्वयं को तैमूरी नस्ल से जोड़कर देखते थे। जिस तैमूर ने तत्कालीन विश्व की लगभग पांच प्रतिशत आबादी का कत्लेआम किया, जिसने दिल्ली से लेकर हरिद्वार तक निर्दोष एवं निहत्थे लोगों का अकारण खून बहाया, उससे जुड़े होने में वे गौरव का अनुभव करते रहे। मुगल शासकों में औरंगजेब तो मजहबी कट्टरता का पर्याय था। नौ अप्रैल, 1669 को उसके द्वारा जारी राज्यादेश उसकी कट्टरता का प्रमाण है। इसमें उसने सभी हिंदू मंदिरों एवं शिक्षा केंद्रों को नष्ट करने के आदेश दिए थे। इस आदेश को काशी-मथुरा समेत उसकी सल्तनत के सभी 21 सूबों में लागू किया गया था। इस आदेश का जिक्र उसके दरबारी लेखक मोहम्मद साफी मुस्तइद् खां ने अपनी किताब मआसिर-ए-आलमगीरी में किया है। मजहबी जुनून में उसने गैर इस्लामी त्योहारों एवं धार्मिक प्रथाओं पर प्रतिबंध लगा दिया। इस दौरान जजिया लगा, सनातनियों को दोयम दर्जे का नागरिक बनकर जीने को अभिशप्त किया गया तथा सिखों के नौवें गुरु तेगबहादुर और उनके तीन अनुयायियों भाई मतिदास, सतीदास और दयालदास को अत्यंत निर्दयता के साथ मरवा दिया गया। क्रूर औरंगजेब के बारे में हाल तक एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में यही पढ़ाया जाता रहा कि वह टूटे मंदिरों के निर्माण के लिए दान दिया करता था। क्रूर आक्रांताओं एवं आततायी शासकों में नायकत्व देखने की प्रवृत्ति विभाजन की विषबेल को सींचती और समाज को बांटती है। यह समय की मांग है कि संभाजी या राणा सांगा जैसे योद्धाओं को हमारी पाठ्यपुस्तकों में समुचित स्थान मिले, ताकि कोई आततायियों का गुणगान करने की मूर्खता न कर सके।

सेहत का मोर्चा, स्वास्थ्य सेवाओं के ढांचे को बेहतर बनाने की जरूरत

इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है। इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है।

यह एक हकीकत है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं लेकिन इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है।

भारत सरकार संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से अपनी पीठ थपथपा सकती है कि वर्ष 2000 के बाद भारत में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 प्रतिशत की कमी आई है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है।

इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है। इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है।

आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने लाखों लोगों के

जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। बीते दिनों एक संसदीय समिति ने जिस तरह 60 वर्ष के ऊपर के सभी नागरिकों को इस योजना के दायरे में लाने की जरूरत जताई, उससे यही इंगित होता है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए न केवल केंद्र सरकार को तत्पर रहना चाहिए, बल्कि राज्य सरकारों को भी। केंद्र और राज्य सरकारों को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में सरकारी स्वास्थ्य ढांचा सही स्थिति में नहीं है। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों की ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह एक हकीकत है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्जे में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जीएसटी लगता है। आखिर क्यों? अच्छा हो कि सरकारें सेहत के मोर्चे पर और अधिक ध्यान दें।

सरकार से सवाल पूछना आखिर जुर्म क्यों? पत्रकारों पर बढ़ती सख्ती से लोकतंत्र को खतरा

एक लोकतांत्रिक देश के संघीय ढांचे की अहम पहचान है सवाल पूछना और अभिव्यक्ति की आजादी। नागरिकों की आवाज को समाचार में जगह देना पत्रकार का दायित्व होता है। अगर वह सच्चाई सामने नहीं लाएगा, जनता की परेशानियों तथा उनकी नाराजगी को सामने नहीं रखेगा, तो पत्रकारिता अपना मूल उद्देश्य खो देगी।

व्यवस्था के विरोध में जनता के लिए लिखने वाले पत्रकारों के प्रति शासन की असहिष्णुता की खबरें अक्सर सामने आती हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में कोई पत्रकार कैसे अपनी जिम्मेदारी निभा पाएगा। तमाम वैश्विक एजंसियां भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठा रही हैं।

एक लोकतांत्रिक देश के संघीय ढांचे की अहम पहचान है सवाल पूछना और अभिव्यक्ति की आजादी। नागरिकों की आवाज को समाचार में जगह देना पत्रकार का दायित्व होता है। अगर वह सच्चाई सामने नहीं लाएगा, जनता की परेशानियों तथा उनकी नाराजगी को सामने नहीं रखेगा, तो पत्रकारिता अपना मूल उद्देश्य खो देगी। लेकिन आलम यह है कि शासन तंत्र अपने खिलाफ कोई भी स्वर नहीं सुनना चाहता। इसकी बानगी गुवाहाटी में देखने को मिली, जहां एक सहकारी बैंक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान वित्तीय अनियमितताओं को लेकर सवाल पूछने वाले पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि बाद में एक अदालत ने पत्रकार को जमानत दे दी। उस बैंक में अहम पदों पर सत्ता से जुड़े रसूखदार लोग काबिज हैं और वह पत्रकार वहां चल रही अनियमितताओं को लेकर लगातार अपने समाचार पोर्टल पर लिख रहा था। हालांकि इस संबंध में

पुलिस का कहना है कि उस पत्रकार ने जनजातीय समुदाय के एक व्यक्ति के खिलाफ जातिवादी टिप्पणियां की थी।

व्यवस्था के विरोध में जनता के लिए लिखने वाले पत्रकारों के प्रति शासन की असहिष्णुता की खबरें अक्सर सामने आती हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में कोई पत्रकार कैसे अपनी जिम्मेदारी निभा पाएगा। तमाम वैश्विक एजंसियां भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठा रही हैं। यह खेदजनक है कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत लगातार नीचे खिसक रहा है। 180 देशों में भारत वर्तमान में 159वें स्थान पर है। वर्ष 2003 से ही भारत का प्रदर्शन खराब आंका जा रहा है। सूचकांक के अनुसार, भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये और रूस के बराबर माना जा रहा है। ब्रिक्स देशों में ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका को भारत की तुलना में ज्यादा स्वतंत्रता प्राप्त है, जबकि चीन और रूस निचले पायदान पर हैं। दक्षिण एशियाई देशों में, बांग्लादेश को छोड़कर अन्य सभी देश नवीनतम सूची में भारत से बेहतर स्थान पर हैं। हमें सोचना होगा कि हम कहां खड़े हैं। लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने वाले इस अहम कारक की ओर ध्यान देना होगा कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही है जो भारत के लोकतंत्र को मजबूत करती है।

जोकोविच ने तोड़ा फेडरर का रिकॉर्ड

मियामी ओपन के सबसे उम्रदराज सेमीफाइनलिस्ट बने, 100वीं जीत से बस एक कदम दूर

सर्बिया के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ,ञ्जक्क मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए है। उन्होंने रोजर फेडरर का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। रोजर फेडरर ने 2019 में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था। तब वे 37 साल और 7 महीने के थे। शुक्रवार को जोकोविच ने 37 साल और 10 महीने की उम्र में मियामी ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अगर जोकोविच शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल मैच जीतते है तो यह उनकी 100वीं प्रोफेशनल जीत होगी।

कोर्डा को हराया, दिमित्रोव से होगा मुकाबला चौथी सीड जोकोविच ने क्वाटर फाइनल में अमेरिका के 14वें सीड सेबेस्टियन कोर्डा को 6-3, 7-6 से हरा दिया। शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले में जोकोविच का सामना बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा।

दोनों के बीच अभी तक 13 मैच खेले गए है, जिसमें से 12 मैच जोकोविच जीते है। 1 मैच में दिमित्रोव को जीत मिली है। पिछले साल ग्रिगोर दिमित्रोव मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, जिसमें उन्हें जैनिक सिन्नर से हार का सामान करना पड़ा था।

जोकोविच अभी तक 24 ग्रैंड स्लैम जीते है

नोवाक जोकोविच अब तक 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं. उन्होंने 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 3 फ्रेंच ओपन, 7 विंबलडन और 4 यूएस ओपन खिताब अपने नाम किए हैं। वह कई बार वर्ल्ड नंबर 1 रह चुके हैं और सबसे ज्यादा हफ्तों तक टॉप रैंकिंग पर रहने का रिकॉर्ड भी बना चुके हैं।

सबालेंका मियामी ओपन के फाइनल में पहुंची विमेंस सेमीफाइनल राउंड में शुक्रवार को आर्यना सबालेंका ने इटली की जस्मिन पाओलीनी को 6-2,6-2 से हराया। अब सबालेंका शनिवार को अमेरिका की जेसिका पेगुला से फाइनल में भिड़ेंगी। पेगुला ने 19 साल की फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला तीन सेटों में हराया।

IPL-2025 के पहले 3 मैचों में व्यूअरशिप रिकॉर्ड टूटेः डिजिटल और टीवी प्लेटफार्म पर 5 हजार करोड़ मिनट देखा गया, पिछले सीजन से 33% ज्यादा

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 18वें सीजन के पहले 3 मैचों में व्यूअरशिप रिकॉर्ड टूट गए हैं। BARC के आंकड़ों के अनुसार, टेलीविजन पर IPL 2025 के ओपनिंग वीकेंड ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं। स्टार स्पोर्ट्स पर पहले 3 मैच 25.3 करोड़ की व्यूअरशिप आई है। ओपनिंग वीकेंड में इतनी व्यूअरशिप पहली बार आई है। 2,770 करोड़ मिनट का वॉच टाइम रहा है। जो पिछले साल की तुलना में 22% ज्यादा है।

जियोहॉटस्टार पर पहले 3 मैचों में 137 करोड़ व्यूज आए जियोहॉटस्टार पर इन 3 मैचों में 137 करोड़ व्यूज आए हैं। डिजिटल प्लेटफार्म पर ओपनिंग वीकेंड में इतनी व्यूअरशिप पहली बार आई है। यह पिछले सीजन की तुलना में 40त्न ज्यादा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इन मैचों का वॉच टाइम 2,186 करोड़ मिनट है।

इन 3 मैचों का डिजिटल और टीवी प्लेटफार्मों पर 5 हजार करोड़ मिनट का वॉच टाइम रहा। वॉच टाइम पिछले सीजन के ओपनिंग वीकेंड से 33% ज्यादा का है।

IPL 2025- 12 भाषाओं में टेलीविजन व डिजिटल स्ट्रीमिंग हो रही IPL 2025 में सभी मैच 25 से अधिक फीड्स और 12 भाषाओं में टेलीविजन व डिजिटल स्ट्रीमिंग पर उपलब्ध हैं। इस सीजन में 170 से अधिक एक्सपर्ट्स IPL की जानकारी दे रहे हैं। जिसमें IPL चैंपियंस, वर्ल्ड कप विजेता और दिग्गज क्रिकेटर्स शामिल हैं।

टीवी पर इंग्लिश के अलावा, हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में कवरेज उपलब्ध होगी। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 12 भाषाओं (इंग्लिश, हिंदी, मराठी, हरियाणवी, बंगाली, भोजपुरी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुजराती और पंजाबी) में लाइव स्ट्रीमिंग की जा रही है।

ओपनिंग सप्ताह में 3 मैच खेले गए सीजन का पहला मैच 22 मार्च (शनिवार) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। इसमें बेंगलुरु ने कोलकाता को 7 विकेट से हराया था। 23 मार्च (रविवार) को सीजन का पहला डबल हेडर खेला गया। दिन के पहले मैच में हैदराबाद ने राजस्थान को हराया। दूसरे मैच में चेन्नई ने मुंबई को हराया।

जियोहॉटस्टार के भुगतान करने वाले यूजर्स की संख्या 10 करोड़ के पार हुई जियोसिनेमा और डिज्नी+ हॉटस्टार के मर्जर से बने जियोहॉटस्टार ने 10 करोड़ भुगतान करने वाले यूजर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। पिछले साल रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिज्नी ने अपने मीडिया कारोबार को मिलाकर संयुक्त उद्यम बनाया था। इसके तहत डिज्नी ने भारत में अपनी स्ट्रीमिंग सेवाएं रिलायंस को बेच दी।

जियो स्टार ने नया प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार बनाया जियो स्टार ने पिछले महीने एक नया OTT प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार लॉन्च किया था। यह प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा और डिज्नी प्लस हॉटस्टार के मर्जर से बना है। अब यूजर्स को जियो सिनेमा और डिज्नी प्लस हॉटस्टार दोनों ही प्लेटफॉर्म के कंटेंट एक ही जगह पर देखने को मिल रहे हैं।

श्रेयस-ईशान को मिल सकता है BCCI का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

पिछले साल बाहर कर दिया गया था; आज गुवाहाटी में बैठक

श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की BCCI के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी हो सकती है। पिछले साल दोनों को BCCI के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 2023-24 से बाहर किया गया था।

अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में एंट्री पर अपनी मुहर लगा चुके हैं। वहीं, ईशान ने IPL के अपने पहले मैच में 106 रन की पारी खेलकर वापसी के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है।

29 मार्च को BCCI के सचिव देवजीत सैकिया, टीम के चयनकर्ता अजित अगरकर और कोच गौतम गंभीर गुवाहाटी में इस पर चर्चा कर सकते हैं।

भारतीय टीम से जुड़े एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा कि अय्यर फिर से कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने वाले हैं और वह भी टॉप कैटेगरी में। वहीं, ईशान किशन के लिए अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है और अनुबंध में उनकी वापसी पर कोई पक्का निर्णय नहीं लिया गया है। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में करीब 49 की औसत से बनाए रन अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 5 पारियों में 79.41 के स्ट्राइक रेट से 243 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने दो अर्धशतक भी लगए थे। उन्होंने फाइनल में 62 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली थी। वे टूर्नामेंट के दूसरे टॉप स्कोरर रहे थे।

रोहित, विराट और जडेजा ग्रेड A+ में बरकरार वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा A+ में बरकरार रहेंगे। ये तीनों पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह भी A+ ग्रेड में बने रहेंगे। अभिषेक, नीतीश और वरुण पहली बार BCCI कॉन्ट्रैक्ट में हो सकते हैं शामिल अभिषेक शर्मा, नीतीश रेड्डी और और वरुण चक्रवर्ती पहली बार BCCI के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल हो सकते हैं। वरुण ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में 9 विकेट लिए थे। नीतीश ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। वहीं, अभिषेक शर्मा ने 2024-25 के खेले 12 टी-20 इंटरनेशनल में 200.48 की स्ट्राइक से 411 रन बनाए है।

अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के किया क्वालिफाई, लियोनल मेसी खेलेंगे!

पिछली बार फीफा वर्ल्ड कप 2022 का खिताब अर्जेंटीना ने जीता था और तब इस टाइटल को दिलाने में लियोनल मेसी का अहम रोल रहा था। उन्होंने तब कुल 7 गोल किए और अर्जेंटीना के लिए सबसे बड़े हीरो साबित हुए थे। वह अभी तक पांच फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुके हैं और अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या वह आगामी फीफा वर्ल्ड कप में खेलेंगे या नहीं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की मेजबानी कनाडा, यूनाइटेड स्टेट और मैक्सिको को मिली है। पिछली बार फीफा वर्ल्ड कप 2022 का खिताब अर्जेंटीना ने जीता था और तब इस टाइटल को दिलाने में लियोनल मेसी का अहम रोल रहा था। उन्होंने तब कुल 7 गोल किए और अर्जेंटीना के लिए सबसे बड़े हीरो साबित हुए थे। वह अभी तक पांच फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुके हैं और अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या वह आगामी फीफा वर्ल्ड कप में खेलेंगे या नहीं। उनकी उम्र अभी 27 साल है और अगले साल तक वह 38 साल के हो जाएंगे। अर्जेंटीना ये साबित कर रहा है। अगर स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी किसी भी कारण से 2026 वर्ल्ड कप में नहीं खेलने का फैसला करते हैं तो भी वह जीत सकता है। अर्जेंटीना ने अगले साल होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। अर्जेंटीना के कोच लियोनल स्कोलोनी ने कहा कि हम देखेंगे कि क्या होता है, अभी बहुत समय है। हमें एक बार में एक मैच पर ध्यान देना चाहिए, नहीं तो हम पूरे साल एक हीबात के बारे में बोलते रहेंगे। हमें उसे अकेला छोड़ देना चाहिए, हम देखेंगे।

कर्ज में डूबा पाकिस्तान.. इस बड़े टूर्नामेंट से हो गया बाहर

पाकिस्तान दुनिया भर में भीख मांगने की कगार पर आ गया है। वहीं आर्थिक स्थिति और बढ़ते कर्ज के कारण पाकिस्तान को हमेशा दुनिया के सामने बेइज्जत होना पड़ता है। पाकिस्तान का कर्ज लगातार बढ़ रहा है, पिछले साल कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि पाकिस्तान पर 271.2 बिलियन डॉलर का कर्ज हो चुका है। अब पाकिस्तान से एक और ऐसी ही खबर सामने आई है, जिससे दुनिया के सामने उसकी एक बार फिर बेइज्जती हो रही है। दरअसल, मलेशियाई हॉक महासंघ ने बकाया कर्ज के कारण इस साल होने वाले अजलन शाह कप के लिए पाकिस्तान को आमंत्रित ही नहीं किया है। पाकिस्तान हॉकी टीम पिछले साल हुए इस टूर्नामेंट में फाइनल तक पहुंचा था। जहां वह हार गया था। पिछले साल की उपविजेता टीम को इस बार बकाया कर्ज के कारण टूर्नामेंट से बुलावा ही नहीं आया। पाकिस्तान हॉकी महासंघ के एक सूत्र के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि, पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के एक पूर्व अधिकारी ने अजलन शाह कप के पिछले सीजन के दौरान कुछ गलत फैसले लिए थे, जिससे पीएचएफ एमएचएफ यानी मलेशियाई हॉकी महासंघ के कर्ज में डूब गया। मलेशियाई संघ के आयोजक इससे खुश नहीं थे इसलिए उन्होंने पिछले साल के उपविजेता पाकिस्तान को आगामी टूर्नामेंट के लिए बुलावा ही नहीं भेजा। सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के अधिकारी एमएचएफ के साथ इस विवाद को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि ये मामला सुलझा लिया जाएगा और इस हफ्ते के अंत में उन्हें भी आमंत्रण मिल जाएगा।

व्यापार

भारत का एक्सप्रेस पार्सल बाजार वित्त वर्ष 2029-30 तक 24-29 अरब शिपमेंट तक पहुंच जाएगा

मुंबईः भारत के 'एक्सप्रेस पार्सल बाजार में तेजी से बढ़ोतरी होने की उम्मीद है और वित्त वर्ष 2029-30 तक यह 24-29 अरब शिपमेंट तक पहुंच जाएगा। रेडसीर ने शुक्रवार को रिपोर्ट में कहा, इसकी प्रमुख वजह ई-कॉमर्स क्षेत्र का विस्तार, 'हाइपरलोकल और त्वरित वाणिज्य खंड का बढ़ना है। रिपोर्ट में कहा गया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पार्सल बाजार के 10-11 अरब शिपमेंट तक पहुंचने का अनुमान है।

ई-कॉमर्स खंड की एक्सप्रेस पार्सल बाजार में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है, जिससे चालू वित्त वर्ष में करीब 4.8-5.5 अरब शिपमेंट होने का अनुमान है। रेडसीर

स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के साझेदार मृगांक गुटगुटिया ने कहा, ''भारत का एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स बाजार एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है, जो डिजिटल अपनाने में वृद्धि और उपभोक्ताओं द्वारा ई-कॉमर्स के साथ अधिक सहज होने से प्रेरित है।

रिपोर्ट के अनुसार, पारंपरिक 'कूरियर चालू वित्त वर्ष में एक्सप्रेस पार्सल बाजार का करीब 17 प्रतिशत (लगभग दो अरब पार्सल) हिस्सा होगा और उसके वित्त वर्ष 2029-30 तक करीब सात प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने का अनुमान है। इसके साथ ही, ई-कॉमर्स शिपमेंट जो वित्त वर्ष 2024-25 में 4.8-5.5 अरब शिपमेंट के लिए जिम्मेदार होगा और वित्त वर्ष 2029-30 तक इसके 15-16 अरब शिपमेंट तक पहुंचने की उम्मीद है।

मुकेश अंबानी टॉप 10 से बाहर, रोशनी नाडर ने हासिल किया यह मुकाम

बिजनेस डेस्कः बिजनेस जगत में इस साल बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। Hurun Global Rich List 2025 के मुताबिक, भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के टॉप 10 सबसे अमीर लोगों की सूची से बाहर हो गए हैं। उनकी संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपए की कमी आई है, जिसका मुख्य कारण कंपनी पर बढ़ता कर्ज बताया जा रहा है। इस बीच टेस्ला के एलन मस्क 420 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उनकी नेटवर्थ में 82त्न की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है।

रोशनी नाडर बनीं दुनिया की पांचवीं सबसे अमीर महिला

HCL की रोशनी नाडर ने इस साल इतिहास रच दिया है। वह 3.5

लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ दुनिया की टॉप 5 सबसे अमीर महिलाओं में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उनके पिता शिव नाडर ने HCLमें अपनी 47त्न हिस्सेदारी उन्हें स्थानांतरित कर दी है, जिससे उनकी संपत्ति में भारी इजाफा हुआ है।

कौन-कौन है टॉप 10 में

सन फार्मा के दिलीप सांघवी की संपत्ति में 21प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अब उनके पास 2.5 लाख करोड़ रुपए हैं और वह इस लिस्ट में चौथे स्थान पर आ गए हैं। विप्रो के अजीम प्रेमजी 2.2 लाख करोड़ रुपए के साथ पांचवें, कुमार मंगलम बिड़ला 2 लाख करोड़ रुपए के साथ छठे नंबर पर हैं। साइरस पूनावाला 2 लाख करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ संयुक्त छठे नंबर पर हैं। पिछले एक साल में उनकी नेटवर्थ में 8 फीसदी गिरावट आई है। बजाज ऑटो वाले नीरज बजाज 1.6 लाख करोड़ रुपए के साथ आठवें नंबर पर हैं जबकि रवि जयपुरिया और राधाकिशन दमानी 1.4 लाख करोड़ रुपए के साथ संयुक्त रूप से नौवें नंबर पर हैं। मुंबई में सबसे ज्यादा अरबपति हैं। टॉप 10 में से पांच अरबपति मुंबई से हैं। नई दिल्ली में दो अरबपति हैं। बेंगलुरु,अहमदाबाद और पुणे में एक-एक अरबपति हैं।

क्विक कॉमर्स कंपनियों की बढ़ती लोकप्रियता से पारंपरिक किराना व्यवसाय पर खतरा

नईदिल्ली। देश में क्विक कॉमर्स कंपनियां देश में खरीदारी के अनुभव को तेजी से बदल रही हैं। पिछले साल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सभी किराना ऑर्डर में से दो-तिहाई से ज्यादा और 'ई-रिटेल' खर्च का दसवां हिस्सा क्विक कॉमर्स से जुड़ी कंपनियों के प्लेटफॉर्म पर हुआ। फ्लिपकॉर्ट और बेन एंड कंपनी की एक रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2030 तक फटाफट सामान पहुंचाने वाली इन क्विक कॉमर्स कंपनियों में सालाना 40 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इसकी बढ़ोतरी को अलग-अलग कैटेगरी और कस्टमर सेगमेंट में विस्तार से गति मिलेगी। हालांकि, इससे ये भी साफ है कि देश में किराना दुकानदारों के भविष्य पर भी तेजी से संकट बढ़ता जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया, ''फटाफट सामान पहुंचाने (30 मिनट से कम समय में डिलिवरी) की सुविधा शुरू होना पिछले दो सालों में देश के ई-रिटेल मार्केट की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक रहा है।'' देश की क्विक कॉमर्स कंपनियां ग्लोबल ट्रेंड को पीछे छोड़ते हुए तेजी से आगे बढ़ी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ''इन कंपनियों में तेज ग्रोथ का मुख्य कारण उच्च जनसंख्या घनत्व और कम किराये वाले 'डार्क स्टोर' यानी पूरी तरह से ऑनलाइन ऑर्डर को पूरा करने वाले खुदरा दुकानों के नेटवर्क तक करीबी पहुंच शामिल हैं। इस क्षेत्र ने कई कंपनियों को आकर्षित किया है, जिसने उपभोक्ता मूल्य प्रस्ताव को समृद्ध किया है। वैसे फटाफट सामान पहुंचाने की सुविधा की शुरुआत किराने के सामान से हुई थी। लेकिन अब इसके सकल वस्तु मूल्य या जीएमवी का 15 से 20 प्रतिशत सामान्य वस्तुएं, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और परिधान जैसी कैटेगरी से आता है।

दिल्ली, मुंबई जैसे बड़े शहरों के अलावा छोटे शहरों में हो रहे विस्तार ने भी क्विक कॉमर्स कंपनियों की ग्रोथ को रफ्तार दी है। हालांकि, अब भी जीएमवी का बड़ा हिस्सा टॉप 6 शहरों से आता है। भारत में 2025 में ऑनलाइन खरीदारी पर रिपोर्ट में कहा गया है कि देश पिछले एक दशक में रिटेल सेक्टर में बड़ा केंद्र बन गया है और 2024 में वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा खुदरा बाजार बन गया है। भारतीय ई-रिटेल बाजार का सकल वस्तु मूल्य लगभग 60 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। ऑनलाइन खरीदारी के लिहाज से भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। हालांकि, निजी खपत में कमी से 2024 में ई-रिटेल क्षेत्र में वृद्धि 20 प्रतिशत के ऐतिहासिक उच्चस्तर से 10 से 12 प्रतिशत पर आ गयी। एक अनुमान के अनुसार, ई-रिटेल खंड अगले छह साल में 18 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ 170 से 190 अरब डॉलर जीएमवी पर पहुंच सकता है।

बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 77,414 के स्तर और निफ्टी 23,519 पर हुआ बंद

मुंबईः हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया है। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 191 अंक नीचे 77,414 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में करीब 72 अंक की गिरावट रही, ये 23,519 के स्तर पर क्लोज हुआ। एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 2.09प्रतिशत, हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 0.78प्रशित और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.67प्रतिशत की गिरावट है। मार्च महीने में विदेशी निवेशकों ने 6,367 करोड़ रुपए के नेट शेयर खरीदे। वहीं घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 29,939.19 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी की।

जरूरी दवाइयों की कीमतों में 1 अप्रैल से होगी बढ़ोतरी

नईदिल्ली। 4 दिन बाद मरीजों को करोड़ों का झटका लगने वाला है. अगर आप नियमित रूप से दवाओं का इस्तेमाल करते हैं, तो 1 अप्रैल से आपकी दवा की लागत बढ़ने वाली है. राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने आवश्यक दवाओं की कीमतों में इजाफा करने का फैसला किया है, जिससे आम आदमी की जेब पर असर पड़ेगा.

दरअसल,सरकार ने दवाओं की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए कई महत्वपूर्ण दवाओं को प्राइस कंट्रोल लिस्ट में शामिल किया है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस पहल से मरीजों को हर साल लगभग 3,788 करोड़ रुपये की बचत होती है. हालांकि, अब इन नियंत्रित दवाओं के दाम बढ़ने की संभावना जताई जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग और

एंटीबायोटिक्स जैसी आवश्यक दवाओं की कीमतों में 1.7त्न तक की वृद्धि हो सकती है. यह बढ़ोतरी नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी द्वारा तय की जाती है, जो देश में दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने का काम करती है. इस कदम से दवा कंपनियों को राहत मिलेगी, क्योंकि उन्हें उत्पादन लागत में हो रही बढ़ोतरी से जूझना पड़ रहा था. हालांकि, मरीजों के लिए यह अतिरिक्त वित्तीय बोझ बन सकता है, जिससे उनकी दवाओं पर होने वाला खर्च बढ़ जाएगा. आइए जानते हैं किन दवाईयों की कीमतें बढ़ जाएंगी.

जो दवाएं राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची में शामिल हैं, उनकी कीमतें बढ़ेंगी. इसमें एंटीबायोटिक्स, पेन किलर, हृदय रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाएं शामिल हैं. सरकार के इस फैसले से जिन लोगों को नियमित रूप से दवाओं की जरूरत होती है, उनके मासिक खर्च में वृद्धि होगी. बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए मुश्किलें. कई वरिष्ठ नागरिक और क्रॉनिक बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को अधिक पैसे खर्च करने पड़ेंगे.हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे प्रीमियम दरें बढ़ने की संभावना है. यह पहली बार नहीं है जब दवाओं की कीमतें बढ़ाई जा रही हैं. 2023 में भी NPPA ने 12प्रतिशत तक की वृद्धि की थी, जिससे पहले से ही महंगाई से जूझ रहे लोगों को अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ा था.

पवित्र नगरी अमरकंटक में चैत्र नवरात्रि उत्सव की तैयारियां पूर्ण

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। अमरकंटक प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में आगामी चैत्र नवरात्रि उत्सव की मां नर्मदा उद्गम स्थल परिसर की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है ।ज्योति कलश घर की साफ सफाई रंग रोगन तथा दीप कलश की सभी आवश्यक तैयारी पूरी हो गई है इस वर्ष घृत ज्योति प्रज्वलन कलश जवारे की धन-दान राशि 21 सौ रू से बढ़ाकर ?25 सौ रू की गई है सभी भक्त श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि इच्छुक भक्त श्रद्धालु गण नियत धन राशि नर्मदा मंदिर प्रांगण के टिकट घर कार्यालय टिकट कटा कर अपना मनोकामना घृत ज्योति प्रज्वलित कर सकते हैं तथा कलश जवारा स्थापित कर सकते हैं ।

श्री नर्मदा ऊदगम मंदिर ट्रस्ट के प्रभारी गणेश पाठक ने बताया कि मंदिर में चैत्र नवरात्रि पर्व मनाए जाने की सभी आवश्यक तैयारी पूरी हो गई है ज्योति कलश की देखरेख सुरक्षा पंडित सुरेश द्विवेदी छोटे महाराज के द्वारा होती है तथा अनुष्ठान पूजन पाठ अर्चन का कार्य नर्मदा मंदिर के पुजारी पंडित कामता प्रसाद द्विवेदी नीलू महाराज के

द्वारा होती है गत वर्ष चैत्र नवरात्रि में लगभग 111 घृत ज्योति प्रज्वलित हुई थी तथा जवारा कलश स्थापित हुआ था। इस वर्ष उससे भी अधिक ज्योति कलश स्थापित होने की उम्मीद बताई जाती है। पवित्र नगरी अमरकंटक में चैत्र नवरात्रि ज्यादा भीड़भाड़ अन्य जगह की अपेक्षा काम भेदभाव होती है वहीं दूसरी ओर मैहर रतनपुर तथा विंध्यवासिनी नवरात्रि के अवसर पर बहुत भारी भीड़ भाड़ होती है इसके साथ ही शंकराचार्य आश्रम में आदिशक्ति मां जगदंबा मंदिर में घी का ज्योति तथा तैल का ज्योति प्रज्वलित होता है तथा कलश जवारा स्थापित किया जाता है तथा नगर के अन्य आश्रमों में भी ज्योति कलश की स्थापना की जाती है तथा 9 दिनों तक मां दुर्गे की पूरी श्रद्धा के साथ पूजन अर्चन पाठ किया जाता है।

विक्रमोत्सव अंतर्गत सूर्य उपासना कार्यक्रम 30 मार्च को

- विक्रमोत्सव में सम्राट विक्रमादित्य की होगी नाट्य प्रस्तुति

अनूपपुर। विक्रमोत्सव 2025 के अन्तर्गत सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा, विक्रम संवत् 2082 के शुभारंभ अवसर पर 30 मार्च 2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर के ऑडिटोरियम हॉल में ''सूर्य उपासना कार्यक्रम'' आयोजित किया गया है। जिसमें रीवा से आए दल द्वारा ''सम्राट विक्रमादित्य'' की नाट्य प्रस्तुति दी जाएगी। नाट्य प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन नाट्य दल निर्देशन सुमन मिश्रा एवं नाट्य दल के सदस्यों के द्वारा किया जायेगा।

बिजुरी पुलिस ने अवैद्य शराब परिवहन कर बिक्री करने वालों पर की कार्यवाही, 63 लीटर अवैध शराब जप्त

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए आदेशित किया गया है जिसके अनुपालन के लिये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी द्वारा नियमित रूप से निर्देशित किया जाता है वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए बिजुरी पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया जो दिनांक 28-03-25 को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि बिजुरी मे बिजली आफिस से कबाडी मोहल्ले के रास्ते से दो व्यक्ति अवैद्य रुप से देशी व अंग्रजी शराब के क्वाटर ले जा रहे हैं। जिस पर थाना बिजुरी से टीम गठित कर श्रेड कार्यवाही करते हुये आरोपी 1- गोपाल साहू पिता

धरमदास साहू उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 12 कबाडी मोहल्ला बिजुरी 2- रविराज नामदेव पिता दशरथ प्रसाद नामदेव उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 10 सीएलके स्कूल के पास लोहसरा बिजुरी को पकड़ा गया जिनके पास से कुल 63 लीटर अवैद्य देशी एवं अंग्रेजी शराब कीमती 31750 रुपये की जप्त की जाकर थाना बिजुरी मे अपराध 93/25 धारा 34(2) आब एक्ट का पंजीबद्ध कर अनुसंधान किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही मे पुलिस कर्मियों की उल्लेखनीय भूमिका रही।

5 वीं एवं 8 वीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित

- कलेक्टर हर्षल पंचोली ने परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित पांचवी एवं आठवीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित किए गए। जिले का पांचवी बोर्ड का परीक्षा परिणाम 98.61 प्रतिशत और आठवीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम 96.77 प्रतिशत रहा। अनूपपुर जिले ने 5 वीं की परीक्षा में प्रदेश की सूची में तीसरा स्थान तथा कक्षा 8 वी में छठवां स्थान अर्जित किया। अनूपपुर जिले में कक्षा 5 वीं में 10920 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिसमें से 10147 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इसी तरह कक्षा 8 वीं में 11347 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिसमें से 10881 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। कलेक्टर हर्षल पंचोली, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने पांचवीं एवं आठवीं परीक्षा में सभी सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की है।

श्री शिलनाथ धुनी संस्थान पर धूमधाम से मना समाधि महापर्व

-तीन दिवसीय महोत्सव का समापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। श्री शिलनाथ धुनी संस्थान पर तीन दिवसीय समाधि महापर्व धूमधाम से मनाया गया। श्री शिलनाथ धुनी संस्थान के प्रबंधक दिलीप शर्मा ने बताया कि सदगुरु श्री योगेंद्र शिलनाथ महाराज का समाधि महापर्व उत्सव दिनांक 26 से 28 मार्च तक तीन दिवसीय उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसके अंतर्गत बुधवार को शाम 7 बजे सदगुरु श्री शिलनाथ महाराज की शोभायात्रा चल समारोह रथ में विराजित होकर नगर भ्रमण किया। जिसमें सैकड़ों भक्तों ने हिस्सा लिया। 27 मार्च गुरुवार को प्रातः 6 बजे सदुरु गुरुदेव की प्रतिमा का अभिषेक पूजन किया गया। प्रातः 9 बजे आरती की गई उसके पश्चात शाम को महाआरती की गई। 28 मार्च शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारा प्रारंभ हुआ जो देर शाम तक चलता रहा। उक्त समारोह में ट्रस्ट के भगवान सिंह चावड़ा, महेंद्र पडियार, राजेंद्र महंत, पं. भूपेंद्र तिवारी, शरद पाचुनकर, मनोज राजनी, दिनेश बैरागी, नरेंद्र यादव, राजेश राठौर, परमानंद द्विवेदी, रमेश व्यास, सूरज सिंह गौड, निलेश वर्मा, रोशन रायकवार सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे। तीन दिन महोत्सव में सेवा समिति के मंथन पडियार, प्रमोद चौहान, चेतन पवार, उमेश चौहान, दिव्यांशु, जयराव, पं. उपाध्याय जयसिंह, जीवन सिंह सोनगरा का विशेष सहयोग रहा। भक्तजनों का आभार ट्रस्ट के अध्यक्ष अजीत भल्ला, भगवान सिंह चावड़ा, राजेंद्र महंत एवं महेंद्र पडियार ने माना।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन ने किया सेवानिवृत्त कर्मचारियों का स्वागत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन 7262 शहर शाखा देवास द्वारा शहर अध्यक्ष राजेश गोसर के नेतृत्व में सेवानिवृत्ति कर्मचारियों का स्वागत किया स्वागत किया गया। स्वागत बेला में उपस्थित महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, उपयुक्त मैडम, स्वास्थ्य अधिकारी जितेंद्र सिसोदिया, अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजू पहलवान सांगते, वरिष्ठ प्रगतिशील पंचायत के पटेल अनिल पहलवान खरे, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रूपेश कल्याणे, प्रदेश सचिव विजय सांगते, राज्य सफाई कर्मचारी जिला अध्यक्ष पारस कलोसिया, शहर अध्यक्ष राकेश बंजारे, महासंघ अध्यक्ष संजय सांगते काका, गुरु गोरखनाथ सोसाइटी अध्यक्ष अमरराज धनराज सागते, दीपक खरे, विनोद भरोसिया, मांगीलाल पथरोड, लक्खा भाई खत्री, राजकुमार कल्याणे, बसंत कल्याणे, महेश लोट, उमेश सांगते, मंगल सोनू डूमने, सुनील फतरोड, अनूप सांगते, लक्ष्मण वेद, वीरेंद्र शिंदे, राकेश गोसर, विजय आदिवाल, ऋषि निगम, ललित सोनवाने, एवं दरोगा साथी रईस खान, संजय मेवाती, बंटी बंजारे, मुकेश बंजारे, विजय गोयल, गौरक्षक लालचंद डागर, जगदीश बेरवा, जितेंद्र डूमने, आनंद बंजारे एवं समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

वर्मा मानवाधिकार परिषद के जिलाध्यक्ष नियुक्त

देवास। व्ही.एण्ड के मानवाधिकार परिषद के प्रदेश अध्यक्ष पीरूलाल परिहार पूर्व रेंजर ने संस्थापक वकील खान, राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुस्तवार, राष्ट्रीय सह संस्थापक कमालउद्दीन फारूकी, मध्यप्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष शबनम शेख की सहमति से अशोक वर्मा को देवास जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। वर्मा की नियुक्ति पर इष्ट मित्रों ने बधाई दी है।

इंदौर में अपना दल (एस) मध्य प्रदेश की चिंतन बैठक आज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल/लखनऊ। अपना दल (एस) मध्य प्रदेश इकाई द्वारा 29 मार्च को एक महत्वपूर्ण चिंतन बैठक का आयोजन किया जा रहा है। यह बैठक इंदौर के होटल वाइट हाउस इन में सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक आयोजित होगी। बैठक में प्रदेश के निवर्तमान प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष और सचिव शामिल होंगे। इसके अलावा, दिल्ली से युवा मंच के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अखिलेश पटेल भी विशेष रूप से बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सांगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, आगामी रणनीतियों पर चर्चा और प्रदेश में पार्टी की उपस्थिति को और मजबूत करना है। बता दें कि उत्तर प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा राजनीतिक दल अपना दल (एस) उत्तर प्रदेश सरकार में गठबंधन में है और केंद्र में पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल राज्यमंत्री का पदभार संभाल रहीं हैं। अब मध्य प्रदेश में संगठन विस्तार की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए, आलाकमान ने पार्टी को नई दिशा व गति देने का प्रयास किया है।

बैठक संबंधी अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - रोहित चंदेल (8707587017)

नई शुरुआत का जश्न, परंपराओं का सम्मान: सोनी सब के कलाकारों ने साझा किए गुड़ी पड़वा के अपने यादगार पल

मुंबई। गुड़ी पड़वा महाराष्ट्रीयन लोगों के लिए नए साल की शुरुआत का प्रतीक है और यह धार्मिक, वैज्ञानिक और कृषि संबंधी कारणों से विशेष महत्व रखता है। इस त्योहार के अवसर पर सोनी सब के सितारे सरिता जोशी, आदित्य रेडिज, सायली सालुंखे, चिन्मयी साल्वी और जयेश मोरे ने गुड़ी पड़वा के अपने खास अनुभव और इस साल की अपनी योजनाओं को साझा किया।

पुष्पा इम्पॉसिबल में राधा काकू की भूमिका निभा रहीं सरिता जोशी ने कहा, ''गुड़ी पड़वा एक नई शुरुआत और परिवार के साथ खुशियों भरे उत्सव का समय है। हर साल, मुझे पारंपरिक महाराष्ट्रीयन परिधान पहनना, पूजा करना और स्वादिष्ट मिठाइयाँ बनाना बेहद पसंद है। दरवाजे पर लगाई जाने वाली गुड़ी समृद्धि और सफलता का प्रतीक होती है, जो हमें सकारात्मकता के साथ नए साल का स्वागत करने की याद दिलाती है। बचपन में मैं बेसब्री से उस समय का इंतजार करती थी जब गुड़ी पर रखी मिठाइयाँ खाने को मिलती थीं। आज भी सिद्धिविनायक मंदिर जाना मेरे लिए आभार और आशा का अनुभव कराता है। सभी को गुड़ी पड़वा की हार्दिक शुभकामनाएं - यह नया साल आप सभी के लिए खुशियां, स्वास्थ्य और सफलता लाए!''

पुष्पा इम्पॉसिबल में दिलीप पटेल की भूमिका निभा रहे जयेश मोरे ने कहा, ''मैं आमतौर पर अपने परिवार के साथ सुबह की पूजा करता हूँ और फिर पारंपरिक नाश्ता करता हूँ। यह त्योहार मुझे मेरे बचपन की याद दिलाता है जब हम इस दिन श्रीखंड-पूरी का आनंद लेते थे। इस गुड़ी पड़वा, मैं आशा करता

हूँ कि लोग अपने पिछले साल को याद करें और भविष्य की ओर आशावादी दृष्टि से देखें। सभी को गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं।''

वीर हनुमान में माता अंजनी की भूमिका निभा रहीं सायली सालुंखे ने कहा, ''गुड़ी पड़वा मेरे दिल के बहुत करीब है। मैंने अपनी नानी और माँ को इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाते हुए देखा है। इस दिन हम खरीदारी करते हैं और घर को सजाते हैं। मेरी सबसे प्यारी यादों में से एक है अपनी माँ के साथ मिलकर गुड़ी के लिए एक सुंदर साड़ी चुनना। यह परंपरा आज भी जारी है और हर साल मैं अपने परिवार के साथ मिलकर गुड़ी सजाती हूँ। हमारे उत्सव की रौनक तब पूरी होती है जब हम पूरी, आलू की सब्जी, श्रीखंड और अन्य पारंपरिक महाराष्ट्रीयन व्यंजनों का आनंद लेते हैं। सभी को प्यार और भक्ति के साथ यह त्योहार मनाने की शुभकामनाएं।''

वागले की दुनिया में सखी की भूमिका निभा रहीं चिन्मयी साल्वी ने कहा, ''गुड़ी पड़वा खुशी और एकजुटता का प्रतीक है, जिसे हम अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर मनाते हैं। हम परंपरा के अनुसार गुड़ी को खूबसूरती से सजाते हैं और इसे घर के बाहर ऊंचे डंडे पर लगाते हैं, जो समृद्धि और शुभता का प्रतीक होता है। मुझे गुड़ी को सजाने की बारीकियों में शामिल होना बेहद पसंद है, क्योंकि यह उत्सव की सुंदरता को बढ़ा देता है। घर में हम श्रीखंड और पूरी बनाते हैं और इस काम में अपनी माँ की मदद करना मुझे बहुत अच्छा लगता है।''

कृष्णदेवराय की भूमिका निभा रहे आदित्य रेडिज ने कहा, ''गुड़ी पड़वा नई शुरुआत, समृद्धि और महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है। यह सकारात्मकता अपनाने, नए लक्ष्य निर्धारित करने और अपने प्रियजनों के साथ खुशियों के पल साझा करने का समय है। इस शुभ अवसर पर सभी को खुशी, सफलता और अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं। गुड़ी पड़वा की हार्दिक शुभकामनाएं!''

देखिए पुष्पा इम्पॉसिबल, वीर हनुमान और तेनाली राम हर सोमवार से शनिवार, केवल सोनी सब पर!

''रिश्तों से बंधी गौरी'' शो की अभिनेत्री ईशा पाठक ने कहा, लोगों को देखना और सीखना अभिनय को आसान बनाता है।

किसी भी किरदार को जीवंत बनाने के लिए सिर्फ डायलॉग्स याद रखना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस दुनिया को समझना भी जरूरी होता है, जिसमें वह किरदार रहता है। खासकर जब कोई कलाकार किसी संस्कृति से जुड़ा किरदार निभा रहा हो, तो उसे गहराई से समझने के लिए बारीकी से लोगों का हावभाव समझना बेहद जरूरी हो जाता है। 'रिश्तों से बंधी गौरी' में गौरी की भूमिका निभा रहीं ईशा पाठक का मानना है कि अभिनय में वास्तविकता लाने के लिए लोगों को देखना और समझना सबसे उपयोगी कला है।

ईशा पाठक बताती हैं कि लोगों का अवलोकन करने से कलाकारों को अपने अभिनय में गहराई लाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, 'जब हम लोगों को करीब से देखते हैं, तो हमें उनकी बोली, हाव-भाव, आम बोलचाल के शब्द और भावनाएं व्यक्त करने का तरीका समझ में आता है। कई बार हमारी शूटिंग असली लोकेशन पर होती है, जहां हमें स्थानीय लोगों को देखने और समझने का मौका मिलता है। यह हमें अपने किरदार को और ज्यादा वास्तविक तरीके से निभाने में मदद करता है।'

ईशा ने आगे बताया, 'मेरे लिए यह प्रक्रिया और

भी आसान रही क्योंकि मैं मध्य प्रदेश से हूं। बचपन से ही मैंने वहां की भाषा, परंपराओं और जीवनशैली को नजदीक से देखा और समझा है। इसलिए जब मुझे किसी ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिलता है, जो इस क्षेत्र से जुड़ा है, तो वह मेरे लिए स्वाभाविक रूप से आसान हो जाता है। मुझे पता होता है कि इस किरदार को कैसे पेश करना है, कैसे बोलना है और कैसे बर्ताव करना है। इसके अलावा, मैंने दो साल तक इंदौर में भी बिताए हैं, जिससे वहां की स्थानीय बोली और शब्दावली को और अच्छे से समझने का मौका मिला। वहां की संस्कृति और भाषा के बीच रहने से संवाद की स्वाभाविकता अपने आप ही आ जाती है, जिससे मेरा अभिनय अधिक सहज और वास्तविक लगता है।''रिश्तों से बंधी गौरी' एक प्रेरणादायक कहानी है, जो गौरी नाम की बहादुर और विनम्र लड़की के संघर्ष और साहस को दिखाती है। अनचाहे विवाह में बंधकर बुंदेला परिवार की बहू बनने वाली गौरी, अपनी सूझबूझ और आत्मविश्वास से अपनी किस्मत खुद लिखने का फैसला करती है। ईशा पाठक, सावी ठाकुर और स्वाति शाह द्वारा अभिनीत.

यह दिल छू लेने वाली कहानी हर रात 8:30 बजे, सिर्फ सन नियो पर प्रसारित होती है।

संपत्ति से बिल और संस्कारों से बनती है गुडबिल: राघव ऋषि

- माधव मंगलम गार्डन में कथा का विश्राम

ग्वालियर। कई जन्मों के पुण्यफल से मनुष्य जन्म मिलता है। इसे सिर्फमोह माया में नष्ट न करें। जीवन उसी का धन्य होता है, जो मनमाना आचरण न करके संयमित जीवन शैली अपनाते हुए भक्ति करता है। यह विचार माधव मंगलम गार्डन में ऋषि सेवा समिति द्वारा आयोजित हो रही श्रीमद भागवत कथा के विश्राम दिवस शुक्रवार को राघव ऋषि ने व्यक्त किए। ग्वालियर में अगले वर्ष कथा के यजमान प्रेमलता आनंद मोहन अग्रवाल होंगे। कथा विश्राम के बाद सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

उन्होंने कहा कि आज समूचा विश्व जब भारतीय संस्कृति का दीवाना हो रहा है और हम पाश्चात्य की ओर आकर्षित हो रहे हैं। हमें अपनी संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जीवन में पांच ऋण होता हैं। देवऋण, पितृऋण, ऋषि ऋण, भूत ऋण और मानव ऋण। देव ऋण की मुक्ति के लिए यज्ञ, पितृ ऋण की मुक्ति के लिए श्राद्ध करना चाहिए। भूत ऋण से मुक्ति के लिए जीव जंतु और पक्षियों को दाना पानी देना चाहिए। अतिथि सत्कार से मानव ऋण से मुक्ति मिल जाती है।उन्होंने कहा कि बच्चों को सिर्फ संपत्ति न दें बल्कि संस्कार भी दें। संपत्ति से बिल और संस्कारों से गुडबिल बनती है। माता-पिता उसे ही अपनी संपत्ति दें, जो विपत्ति में काम आएं। उन्होंने कहा कि प्रभु जीव का भाव एवं संसार प्रभाव देखता है। मनुष्य स्वभाव के आगे हार जाता है अपने स्वभाव को प्रकृति के वशीभूत करने वाला जीव सुखी हो जाता है। उन्होंने कहा कि जल की भांति शीतल और मधुर रहो। हृदय में विवेक अग्नि जलती रहेगी तो जीवन पवित्र रहेगा। चंद्रमा से सीखा कि वृद्धि और ह्रास जीवन में बना रहता है। सूर्य से परोपकार, कबूतर से अनाशक्ति, अजगर से संतुष्टि, समुद्र से स्थिरता, पतंगा से मोह से दूर रहना, भ्रमर से आसक्ति का त्याग, हाथी से निरू संगता, मधुमक्खी से संग्रह न करना, मछली से जिह्वा सुख से दूर, बालक से निर्दोषता सीखें। आरती में विशेष रूप से आनन्द मोहन अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, प्रमोद गर्ग, संजय शर्मा, अम्बरीष गुप्ता, उमेश उप्पल, देवेंद्र तिवारी, हरिओम मिश्रा, अनिल पुनियानी, रामसिंह तोमर मौजूद थे।

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के सबसे डरावने हॉरर शो 'आमी डाकिनी' में हितेश भारद्वाज और राची शर्मा की एंट्री

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न, जिसने भारतीय दर्शकों को आइकॉनिक हॉरर सीरीज़ आहट से परिचित कराया था, अब अपने नए शो 'आमी डाकिनी' के साथ सुपरनैचुरल जॉनर की नई परिभाषा गढ़ने के लिए तैयार है। यह रोमांचक नया शो हॉरर, मिस्ट्री और ड्रामा का अनूठा मिश्रण है, जिसकी कहानी कोलकाता के रहस्यमयी माहौल में गढ़ी गई है। इस डरावनी कहानी के केंद्र में हैं अयान रॉय चौधरी और मीरा घोष, जिनका किरदार क्रमशः हितेश भारद्वाज और राची शर्मा निभा रहे हैं। अयान सुपरनैचुरल शक्तियों पर विश्वास नहीं करता, हालांकि जब एक प्रतिशोधपूर्ण आत्मा उसकी जान के पीछे पड़ जाती है, तो उसे इस पर यकीन होने लगता है। वहीं, मीरा एक भोली लेकिन निडर लड़की है, जो खुद को अपने परिवार की रक्षक मानती है।

अपनी भूमिका की पुष्टि करते हुए, हितेश भारद्वाज ने उत्साहपूर्वक कहा, ''अयान मेरे पिछले किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है। डरावनी पृष्ठभूमि और किरदार की भावनात्मक गहराई इसे दर्शकों के लिए बेहद मनोरंजक बनाती है। अयान और मीरा का रिश्ता एक अप्रत्याशित मोड़ पर शुरू होता है, और जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है,

उनके रिश्ते की परीक्षा एक ऐसी कसौटी पर की जाती है, जिसकी कल्पना उनमें से किसी ने भी नहीं की होगी। यह एक गहन लेकिन फायदेमंद प्रक्रिया रही है, और मैं दर्शकों के समक्ष इस सफर को पेश करने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं।''

राची शर्मा अपने किरदार के बारे में कहती हैं, ''मीरा की मासूमियत उसे हॉरर शो में एक नई तरह का किरदार बनाती है। वह कोई साधारण डरी-सहमी लड़की नहीं है, बल्कि हर चुनौती का डटकर सामना करती है। मीरा और अयान की शख्सियतें बिल्कुल अलग हैं, और यही अंतर उनके बीच के कई अप्रत्याशित पल पैदा करता है। इस किरदार को गढ़ने का अनुभव शानदार रहा, और मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया के लिए बेहद उत्साहित हूं। उम्मीद है कि वे शो को खूब प्यार देंगे।''

रहस्यमयी माहौल, दमदार परफ़ॉर्मेंस, और प्यार व बदले की खौफनाक कहानी के साथ, आमी डाकिनी दर्शकों को रोमांच से भर देने के लिए तैयार है। 'आमी डाकिनी' का प्रीमियर देखना न भूलें - केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनी लिव पर!

प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती संगीता मदान ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मेगा विधिक सहायता शिविर 29 एवं 30 मार्च को

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैनाश्रीमती संगीता मदान के मार्गदर्शन में 29 एवं 30 मार्च 2025 को मेगा विधिक सहायता शिविर का आयोजन मुरैना एसएएफ ग्राउण्ड मुरैना में किया जा रहा है।

मेगा हेल्थ शिविर में जिला मुख्यालय मुरैना, तहसील, ताल्लुका, ग्रामीण क्षेत्र से वृद्धजन एवं सभी उम्र के पुरूष व महिलाओं सहित अधिक से अधिक संख्या में लोगों के आने का अनुमान है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लक्ष्य ''न्याय घर-घर पहुंचाना एवं न्याय सबके लिये'' के अन्तर्गत मेगा हेल्थ शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भी कानूनी सहायता संबंधी जानकारी जैसे लोक अदालत, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, मध्यस्थता, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह एवं नालसा एवं सालसा की समस्त योजना जानकारी आदि दी जायेगी। शिविर के सफल आयोजन के लिये प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैनाश्रीमती संगीता मदान ने शुक्रवार को प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में श्री विशेष न्यायाधीश श्री अजय सिंह, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री हितेन्द्र द्विवेदी, जिला न्यायाधीश श्री विनय कुमार भारद्वाज, मो. अरशद, श्री चंद्रशेखर जायसवाल, श्री अतुलराज भलावी, श्रीमती चारूलता दांगी, श्री दिनेश सिंह राणा, श्री माधवप्रसाद नामदेव, श्री कमलेश साहू, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अंजय सिंह सहित मुख्यालय के समस्त न्यायाधीशगण व जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री बृजेन्द्र सिंह भदौरिया उपस्थित थे। आमजन से अपील है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकरयोजनाओं का अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठायें।

कु. भारती और भूपेन्द्र कुशवाह के कान का इलाज एम्स भोपाल में रोटरी के खर्चे पर होगा

मुरैना। जिला मुख्यालय मुरैना पर वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। स्वास्थ्य शिविर में प्रेमनगर मुरैना के 19 वर्षीय कु. भारती और 15 वर्षीय भूपेन्द्र कुशवाह ग्वालियर के अपने कान का इलाज कराने के लिये शिविर में आये थे। शिविर में डॉक्टर अनूप राज चौपड़ा ने दोंनो बच्चों के कान का परीक्षण किया।परीक्षण के बाद परिजनों को अवगत कराया कि इन दोंनो बच्चों का इलाज एम्स हॉस्पीटल भोपाल में किया जाना संभव हो पाएगा क्योंकि बच्चे को एक कान से कम सुनाई देता है,इस पर रोटरी के पदाधिकारी विवेक तंखा ने निर्णय लिया कि बच्चों को नई जिंदगी मिले, उन्हें सुनाई देने लगे इसलिए इनका इलाज एम्स भोपाल में जल्द करवाया जाए इसका खर्च रोटरी उठायेगी।

30 को मनेगी पं. गोपालदास वरैया की जयंती

विद्यालय के पूर्व छात्र अरविंद शास्त्री का होगा सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। जैन संस्कृत महाविद्यालय मुरैना के संस्थापक पंडित गोपालदास वरैया की जन्म जयंती 30 मार्च को मनाई जाएगी।

श्री गो.दि. जैन संस्कृत विद्यालय मुरैना के प्राचार्य पंडित चक्रेश जैन शास्त्री ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुनाम गुरु गोपालदास वरैया ने आज से लगभग 123 वर्ष पूर्व मुरैना नगर में एक विद्यालय की स्थापना की थी । उनके द्वारा स्थापित विद्यालय आज एक बटवृक्ष का रूप ले चुका है और श्री गोपाल दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय मुरैना के नाम से संपूर्ण भारतवर्ष में अपनी पताका फहरा रहा है । विगत वर्षों को भांति इस वर्ष भी विद्यालय परिवार पूज्य गुरुनाम गुरु पंडित गोपालदास वरैया की जयंती 30 अप्रैल को संस्कृत विद्यालय के प्रागढ़ में मनाई जा रही है । इस अवसर पर पूर्व में विद्यालय से शिक्षा प्राप्त विद्वान

पंडित अरविंदकुमार जैन शास्त्री गुलगंज (रुड़की) को सम्मानित किया जायेगा ।श्री गोपालदास जैन संस्कृत विद्यालय मुरैना के मंत्री सुनील भंडारी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार पंडित गोपालदास वरैया जैन धर्म, जैन दर्शन के प्रकांड शिक्षाविद और विद्वान थे । आपने 123 वर्ष पूर्व मुरैना में संस्कृत विद्यालय की स्थापना की । आप आजीवन विद्यालय के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रहे । आप सदैव निर्धन और असहाय विद्यार्थियों की मदद किया करते थे । आपने अपने जीवनकाल में सिद्धांत दर्पण, धर्म प्रवेशिका, सुशीला उपन्यास सहित अनेकों पुस्तकों का प्रकाशन किया । ईमानदारी, सच्चाई एवं निष्ठा आपके जीवन का मूलाधार रही।

पूर्व में इस विद्यालय में अध्ययन करने वाले अनेकों विद्वान जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण कर जनमानस को सत्य अहिंसा शाकाहार और जियो ओर जीने दो का प्रचार प्रसार करते हुए स्व कल्याण के साथ साथ जनमानस के कल्याण हेतु प्रयासरत हैं । इस संस्कृत महाविद्यालय में अध्ययन करने के पश्चात सैकड़ों विद्वान उच्च पदों पर पदासीन होकर सम्पूर्ण भारतवर्ष में मुरैना के संस्कृत विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति बनाएं: नीतेश शर्मा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। राष्ट्रीयता की शिक्षा नागरिकों में राष्ट्र के प्रति अपार भक्ति, आज्ञा-पालन, आत्म-त्याग, कर्तव्यपरायणता तथा अनुशासन आदि गुणों को विकसित करके सभी प्रकार के भेद-भावों को भुलाकर एकता के सूत्र में बाँध देती है, तभी हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यो को पूर्ण कर सकते हैं। उक्त उद्गार प्रांतीय संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ म.प्र. भोपाल नीतेश शर्मा ने वार्षिक परीक्षा परिणाम एव पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये।

शिक्षा के साथ संस्कार, समर्पण, देशभक्ति की भावना के साथ जगाना गुरुजनों का दायित्व है। मुझे खुशी है मैं भी इस विद्यालय का पूर्व छात्र हूं। आज जो भी हूं वह इसी संस्था की देन है। यह बात पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधक मयंक शर्मा विशिष्ट अतिथि ने भैया-बहिनों से कही।

अध्यक्षीय आशीष के रूप में शिवराज शर्मा प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी ने कहा कि जिन भैया-बहिनों ने आज पुरस्कार प्राप्त किये हैं वह सभी और उनके परिजन बधाई के पात्र हैं। यह सफलता वर्ष भर किये गए प्रयास, लग्न और मेहनत का ही परिणाम है। आप सभी की यह जीत अनवरत जारी रहे ऐसी मेरी शुभ कामना है। कार्यक्रम में सभी को विभिन्न गतिविधियों के लिए शील्ड और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय की ''नवीन भौतिक प्रयोगशाला'' मुद्रित पत्रिका ''अभिव्यक्ति'' का डिजिटल एव मुद्रित रूप से विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। परिचय प्राचार्य प्रबंधक सुनील दीक्षित, स्वागत श्रीमती अनीता गुप्ता, अनीता सिकरवार, वार्षिक प्रतिवेदन रवि उप्रेती, आभार विनोद कुशवाह, सफल संचालन संदीप तोमर ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सचिव विवेक वर्मा, भैया-बहिन, अभिभावक बंधु एव विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

रोटरी कैम्प में निःशुल्क ऑपरेशन होने से रितु के जीवन में आयेगा बदलाव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। रोटरी मेडीकल मिशन राहत निःशुल्क वृहद स्वास्थ्य शिविर में

आयी रितु पति पवन उम्र 35 वर्ष पता हाथरस बताती है कि उनका मुरैना जिला चिकित्सालय में बच्चे दानी का ऑपरेशन सफलता पूर्वक हुआ।

वह कहती है कि यदि यही ऑपरेशन उनका प्राइवेट अस्पताल में हुआ होता तो वह कर्जे में डूब जाती।वह कहती है कि राहत शिविर में मेरा निःशुल्क ऑपरेशन होने पर वह इस आर्थिक बोझ से बच गई है। इसके लिए वह जिला प्रशासन एवं रोटरी की टीम को बहुत धन्यवाद देती है।

जिले की विभिन्न शैक्षिक समस्याओं के संबंध में अभाविप ने जिला शिक्षा अधिकारी को दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। विद्यार्थी परिषद ने प्राइवेट पुस्तकों को रोकने के लिए ज्ञापन दिया, जिसमें सत्यादित्य तोमर ने बताया प्राइवेट स्कूलों द्वारा महंगी किताबें और यूनिफॉर्म जबरन थोपना से अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। कई स्कूल एनसीईआरटी की सस्ती और गुणवत्तापूर्ण किताबों के बजाय महंगे प्रकाशन की किताबें खरीदने के लिए दबाव बना रहे हैं, जिससे आम परिवारों को परेशानी होती है। इसके अलावा हर साल अनावश्यक फीस वृद्धि से भी छात्र-छात्र और उनके परिवारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विकाश शर्मा ने बताया कि शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान का प्रसार करना है न कि इसे लाभ कमाने का साधन बनाना, विद्यार्थी परिषद मांग करती है कि निजी स्कूलों में केवल एनसीईआरटी या राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित किताबों को लागू किया जाए। स्कूलों द्वारा जबरन किसी खास

प्रकाशक की महंगी किताबें की बाध्यता समाप्त की जाए। श्रीराम ने बताया कि विद्यार्थी परिषद डीईओ के द्वारा मांग करती है कि शिक्षा के नाम पर हो रहे व्यवसायीकरण को रोका जाए और पारदर्शी शुल्क नीति लागू की जाए और साथ ही विद्यार्थी परिषद इस विषय पर शीघ्र ही एक जन जागरण अभियान शुरू करेगी। यदि मांगे पूरी नहीं होती हैं तो विरोध प्रदर्शन करने से भी पीछे नहीं हटेगी। इस मुद्दे पर शीघ्र संज्ञान लेने की अपील करती है। प्रतिनिधि मंडल के रुप में प्रदेश सह मंत्री सत्यादित्य सिंह तोमर, जिला संयोजक विकास शर्मा, नगर मंत्री श्रीराम उपाध्याय, नगर के प्रमुख कार्यकर्ता आदित्य दंडोतिया, सचिन शर्मा, पुष्पेंद्र मावई, सचिन तिवारी, दीपेंद्र सिकरवार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अम्बाह कॉलेज में परीक्षा दे रहे 3 फर्जी परीक्षार्थी गिरफ्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित महाविद्यालयीन परीक्षाओं में वास्तविक छात्रों के स्थान पर परीक्षा दे रहे तीन फर्जी परीक्षार्थियों को पीजी कॉलेज अंबाह में पकड़ा गया है। पुलिस ने फर्जी परीक्षार्थियों के साथ वास्तविक परीक्षार्थियों के विरुद्ध परीक्षा अधिनियम की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है।

पीजी कॉलेज में परीक्षा के दौरान सहायक प्राध्यापक डॉ. बीएल बंसल ने वास्तविक छात्र राजकुमार के स्थान पर परीक्षा देने पहुंचें सुग्रीव और धर्मेन्द्र के स्थान पर परीक्षा दे रहे पुष्पेन्द्र को पकड़ा। एक अन्य कार्रवाई में सहायक प्राध्यापक डॉ. बीके जैन ने वास्तविक छात्र रानू सिंह के स्थान पर परीक्षा दे रहे बलराम सिंह निवासी कुथियाना को पकड़ा गया। कॉलेज प्रशासन ने पकड़े गए फर्जी परीक्षार्थियों को अंबाह पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने फर्जी परीक्षार्थियों समेत वास्तविक परीक्षार्थियों के विरुद्ध परीक्षा अधिनियम की धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिए हैं।

रोटरी मेडीकल कैम्प में सुविधायुक्त बसें कर रही हैं मरीजों का परीक्षण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। स्व. श्रीमती मोहनप्यारी देवी माहेश्वरी जी की स्मृति में रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 जिला मुख्यालय पर 02 अप्रैल तक वृहद स्वास्थ्य कैम्प आयोजित किया जा रहा है। रोटरी के नेतृत्व में अरविंदो हॉस्पीटल की 04 बसें 02 अप्रैल तक मुरैना में ही रूककर लोगों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों से निजात दिला रहीं है। जिनमें प्रथम बस में नेत्र परीक्षण के लिये विभिन्न प्रकार की मशीने लगी हुई है, ये डॉक्टर के परीक्षण के उपरांत तत्काल आंखो का परीक्षण करती है और जो कमियां होती है, उसके लिये उसी प्रकार की जांच के प्रिन्ट निकालकर हितग्राही को उपलब्ध कराती है और बसों में उपस्थित स्टाफ लोगों की समस्याओं

का निजात करा रहे हैं। इसी प्रकार अरविंदो हॉस्पिटल एवं निवारण की बस महिलाओं में होने वाले सबसे आम कैंसर जो ज्यादातर महिलायों में होता है सर्वाइकल एवं ब्रेस्ट कैंसर के परीक्षण कर रही एवं महिलाओं को इनके वाले में जानकारी देने एवं जागरूक करने का कार्य कर रही है।इसी प्रकार एक बस में दंत चिकित्सा से संबधित रोगीयों का इलाज किया जा रहा है। बसों में हर प्रकार की बीमारी की जांच करने के लिये जर्मनी की मशीनें लगी हुई है।महिलाओं की गर्भाशय, थायराईड, डायबिटिज व अन्य विभिन्न प्रकार की बीमारियों का परीक्षण कर जांच उपलब्ध करा रहीं है।

संबल योजना: 10 करोड़ 3 लाख 80 हजार रूपये की अनुग्रह राशि अंतरण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के श्रमिकों को संबल प्रदान करने मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना संचालित की जा रही है। शुक्रवार 28 मार्च को मुरैना जिले के 468 प्रकरणों में 10 करोड़ 3 लाख 80 हजार रूपये की अनुग्रह राशि हस्तांतरित की है। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एनआईसी कक्ष मुरैना में संपन्न हुआ।जिसमें डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी, श्रम अधिकारी सुश्री नम्रता सोनी तथा समस्त हितग्राही उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। योजना में अनुग्रह सहायता योजना अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रूपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रूपये तथा अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं। संबल योजना में महिला श्रमिकों को प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार रूपये दिये जाते हैं, साथ ही श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा के लिये सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

देश की वर्तमान आवश्यकता एक राष्ट्र एक चुनाव

एक देश एक चुनाव पर कार्यशाला सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/अम्बाह। अम्बाह नगर में विधानसभा स्तरीय एक देश एक चुनाव पर कार्यशाला व्याख्यानमाला का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर अम्बाह ऑडिटोरियम में किया गया। मुख्य वक्ता प्रदेश पदाधिकारी सदस्य डॉ. नीतेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में आये। कार्यक्रम का उद्घाटन भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण पूजन कर किया।

एक राष्ट्र एक चुनाव के विषय पर ध्यान आकर्षित करते हुए वक्ता डॉ. नीतेश ने कहा कि देश की वर्तमान स्थिति के अनुसार एक देश एक चुनाव की आवश्यकता है। चाहे वह आर्थिक रूप से देश को मजबूत करने की बात हो चाहे वह सामाजिक रूप में देश में पिछले हुए कई चुनावों में बहुत सारा देश के नागरिकों का टैक्स का पैसा चुनाव में उपयोग हो रहा है। देश में इस वक्त एक चुनाव एक समय पर होने के लिए पूरे देश से प्रस्ताव पारित हो रहे हैं। इसी क्रम में आज यह कार्यक्रम किया गया है। विधानसभा संयोजक बच्चूलाल गुप्ता ने स्वागत भाषण कर अतिथियों का स्वागत किया। संचालन अमृतांशु शर्मा एडवोकेट ने किया। आभार व्यक्त महामंत्री उमेश जैन ने किया। कार्यक्रम में अंबाह क्षेत्र के मंडल अध्यक्षगण जिला पदाधिकारी अम्बाह-पोरसा विधासभा क्षेत्र से आए सामाजिक कार्यकर्ता व्यापारीगण, अधिवक्ता मौजूद रहे।

उत्तरप्रदेश की श्रीमती विद्या देवी को रोटरी मेगा कैम्प में मिला इलाज कराने का ज़रिया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मेगा हैल्थ कैंप का लाभ लेने आसपास के जिलों और दूसरे राज्यों

से भी बीमार लोग विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श के लिए आ रहे हैं।

श्रीमती विद्या देवी निवासी खंडारी जिला आगरा उत्तरप्रदेश से स्वास्थ्य शिविर में आई हैं। पेट में पानी भरने और कूल्हे की हड्डी टूटने के उपचार के लिए वे मेगा हैल्थ कैंप में आई हैं। शिविर में उन्हें आने जाने के लिए निःशुल्क ई-रिक्शा के साथ भोजन, पानी और आवागमन के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था प्राप्त हुई। इसके साथ ही निःशुल्क अल्ट्रा साउंड रिपोर्ट कराई गई। अस्थि रोग विशेषज्ञ और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विशेषज्ञ का परामर्श कर मैं बेहद खुश हूं, अब मुझे बेहतर इलाज मिल सकेगा और जीवन जी सकूंगी।

5वीं और 8वीं का रिजल्ट जारी, विक्टर स्कूल के सभी छात्र प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। विगत शुक्रवार को म.प्र. बोर्ड ने कक्षा 5वीं व 8वीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। विक्टर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल की कक्षा 5वीं और 8वीं में पढ़ने वाले सभी छात्रों ने प्रथम श्रेणी से बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस लिहाज से विद्यालय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत सफल रहा है। छात्रों ने अपनी मेहनत एवं अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन से विद्यालय एवं अपने माता पिता का नाम रोशन किया है। यहां बता दें कि कक्षा 8वीं में निशिता कुशवाह ने 94.7, तनुष्का तोमर ने 93.8, प्रथम शर्मा ने 91.5 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। इन छात्रों के अलावा सभी छात्र 80 से 90 प्रतिशत अंक लेकर पास हुए हैं। इसी के साथ कक्षा 5वीं साक्षी देवी ने 93, रिषिका बघेल ने 91.3, अंश प्रताप सिंह ने 90.3 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। बता दें कि विक्टर स्कूल की कक्षा 5वीं एवं 8वीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा है इसके साथ ही सारे विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं। विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सफलता की कहानी: 08 वर्षीय देवेश कुशवाह का रोटरी के खर्चे पर मुम्बई में लीवर ट्रान्सप्लांट

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। ग्लोबल हॉस्पीटल मुम्बई से आये डॉ. अनिल सिंह ने कैलारस निवासी 08 वर्षीय देवेश कुशवाह का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच परीक्षण के उपरांत डॉ. अनिल सिंह ने बताया कि इनका लीवरट्रान्सप्लांट किया जायेगा, किन्तु इसके लिये ग्लोबल हॉस्पीटल मुम्बई होना संभव है। इस पर पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, तब मौके पर रोटरी के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खाने कहा कि इस बच्चे का खर्च रोटरी उठायेगी और 08 वर्षीय देवेश कुशवाह के पिता ने लीवर ट्रान्सप्लांट देने की सहमति दी है।

डॉक्टर अनिल सिंह ने बताया कि राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा और आलोक के चर्चा अनुसार मैं यहां आया हूं। मैं मध्यप्रदेश का निवासी हूं, मैं मध्यप्रदेश की जी जान से लोगों की सेवा के लिये पैदा हुआ हूं। ओपीडी में मुझे ये बच्चा दिखा, जो मैंने फाइल्स देखी, उसमें मैंने देखा कि इसमें से लिवर ट्रांसप्लांट की आवश्यकता है। यह अहमदाबाद भी होकर आया है और जिसमें यही बताया गया है कि इस लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत है तो जब भी हम लिवर ट्रांसप्लांट करते हैं तो वह दो तरीके से होता है। एक दाता होता है, जिससे लीवर लिया जाता है और 20 से 30 प्रतिशत बच्चों के लिए और एडल्ट के लिए 60 से 70 प्रतिशत लिया जाता है। जिसमें कोई दिक्कत नहीं होती, उनके दादाजी भी साथ में आए हैं। अगर वह फिट होते हैं तो उनकी इन्वेस्टिगेशन होंगे, हम चाहेंगे कि यह बच्चे अच्छी जिंदगी जिए और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करें, जैसे हम करने की कोशिश कर रहे हैं।

मोनिका माहोर

देश विदेश में सेवायें दे चुके ख्याति प्राप्त डॉक्टर कर रहे हैं मरीजों का इलाज

मुरैना। चंडीगढ़ से आए डॉ. मनजीत सिंह जो कि एक नेत्र रोग विशेषज्ञ है। बताते हैं कि उन्होंने नेत्र रोग में मास्टर्स की पढ़ाई की है।उनका कहना है वह मध्यप्रदेश के कई जिलों में अपनी सेवाएं दे चुके है साथ ही साउथ अफ्रीका के कई राज्यों में जहां पिछड़ापन था, वहां भी उन्होंने कई नेत्र ऑपरेशन निःशुल्क किए हैं। वह अभी तक 50000 के लगभग सफल ऑपरेशन कर चुके हैं।

कार्यालय म.प्र. जन अभियान परिषद, जिला मुरैना

(योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, म.प्र. शासन)
पता:- जिला पंचायत गर्ल्स कॉलेज रोड जिला-मुरैना (म.प्र.)
☎ :- 07532-227811 E-mail : mor_dcjap@rediffmail.com Web Site : www.mpjap.org

क्र./122/ ज.अ.प./निविदा वाहन/2025 मुरैना, दिनांक- 28.03.2025

विज्ञप्ति प्रारूप

जिला कार्यालय म.प्र. जन अभियान परिषद मुरैना को वर्ष 2025-26 हेतु टेक्सी कोटे में पंजीकृत एक चार पहिया वाहन मासिक/दैनिक दर (डीजल सहित एवं डीजल रहित) के आधार पर किराये से आवश्यकता है। जिस हेतु निविदा विज्ञप्ति प्रकाशन से 07 दिवस के अंदर प्राप्त कर उसी दिन दोपहर कार्यालय, जिला समन्वयक म.प्र. जन अभियान परिषद, जिला मुरैना द्वारा गठित समिति के समक्ष खोली जावेगी, जिस पर परिषद द्वारा निर्धारित समस्त नियम व शर्तें लागू होंगी। समिति के समक्ष निविदाकर्ता उपस्थित रह सकते हैं। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता का होगा। आवेदन फॉर्म कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

(सतीश सिंह तोमर)
जिला समन्वयक
म.प्र. जन अभियान परिषद
जिला-मुरैना

समय की जरूरत हैं कर्मयोगी भाव, भावनाओं के साथ प्रतिबद्ध प्रयास : राज्यपाल पटेल

प्रदेश राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर प्रतिबद्धता के साथ बढ़ रहा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राजभवन में 'कर्मयोगी बने' कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश इतिहास के ऐसे पड़ाव पर पहुंच गया है, जहां से साफ दिख रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। कर्मयोगी भाव, भावनाओं के साथ विकसित भारत के लिए प्रतिबद्ध प्रयास समय की जरूरत है। कर्मयोग दैनिक जीवन में उच्चतर उद्देश्य के लिए आगे बढ़ने का वह रास्ता है जो व्यक्तिगत उन्नति के साथ समाज सुधार और सेवा का प्रभावी साधन है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी विभिन्न भाषाए, बोलियां, मनोभाव और मूकभाव सभी संस्कृति के वह आभूषण है, जिन पर हमें गर्व है। प्रदेश में अन्य भाषाओं तमिल, तेलुगू आदि पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रदेश में प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिशन कर्मयोगी के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल करते हुए कमेटी बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव के.सी. गुप्ता और अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने छिंदवाड़ा के पारंपरिक बुनकरों द्वारा तैयार उत्तरीय परिधान और पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया। कार्यशाला में उप कुलपति जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रोफेसर शांतिधुलीपुड़ी पंडित, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष भरत शरण सिंह, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल, आयुक्त उच्च शिक्षा निशांत बरबड़े भी मंचासीन थे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि आज हमारे देश ने ज्ञान, विज्ञान, अर्थव्यवस्था सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। दुनिया में भारत की नई पहचान और साख बनी है। हमारा देश ऐसे मोड़ पर है, जहां से एकजुट और एकमत प्रयासों से राष्ट्र विकास की नई इबारत लिखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि 4-5 दशक पूर्व आज के विकसित राष्ट्रों में भी ऐसे ही मोड़ आए थे। नागरिकों के कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित प्रयासों से राष्ट्र का स्वरूप बदल दिया। राज्यपाल पटेल ने कहा कि विकसित भारत निर्माण के लिए कर्मयोगी, भावी पीढ़ी का निर्माण शिक्षकों का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में कर्मयोगी बनने के लिए काम की प्रकृति चाहें जो भी हो, व्यक्तिगत लाभ की इच्छा, परिणाम, सफलता और असफलता किसी की भी चिंता किए बिना लगातार कार्य करना होगा। राज्यपाल पटेल ने कहा कि कर्मयोग पथ के अभ्यासी को शुरु-शुरु में परिणामों की चिंता, समाज की अपेक्षाएं, मान्यताएं और दैनिक जीवन की व्यस्तताओं में समय की कमी आदि की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ये सभी चुनौतियां सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समय प्रबंधन और कर्तव्य पालन, ध्यान, साधना तथा चिंतन के नियमित आध्यात्मिक अभ्यास से दूर हो जाती है। राज्यपाल पटेल ने शिक्षा के तीर्थ स्थलों के प्रमुखों अपेक्षा की है कि वे कर्मयोग के सिद्धांतों पर शिक्षण, शोध कार्य के साथ ही विश्वविद्यालय के भीतर और बाहर स्वैच्छिक सेवा गतिविधियों को और अधिक प्रोत्साहित करें।

होर्डिंग स्ट्रेक्चर एवं यूनीपोल के स्ट्रैक्चरों का करायें संधारण कार्य

ग्वालियर। निजी भवन, भूमि स्वामी एवं विज्ञापन ऐजेन्सियों के द्वारा होर्डिंग स्ट्रेक्चर, यूनीपोल, फ्लेक्स इत्यादि द्वारा विज्ञापन किया जा रहा है। एसे स्ट्रैक्चरों का संधारण कार्य आवश्यक रूप से करा कर विज्ञापन शाखा को अवगत करायें।

उपायुक्त विज्ञापन शाखा ने बताया कि नगर निगम सीमा अन्तर्गत समस्त निजी भवन, भूमि स्वामी एवं विज्ञापन ऐजेन्सियों के द्वारा होर्डिंग स्ट्रेक्चर, यूनीपोल, फ्लेक्स इत्यादि द्वारा विज्ञापन का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। वर्तमान में ग्रीष्म ऋतु का आगमन हो चुका है जिसमें तेज हवायें, आंधी, बारिश के कारण कोई दुर्घटना न हो इस बावत समस्त भूमि भवन स्वामी, विज्ञापनकर्ता ऐजेन्सी जिन के भवन पर लोहे के स्ट्रैक्चर, अन्य प्रकार के स्ट्रैक्चर के माध्यम से होर्डिंग, भूमि पर यूनिपोल लगा कर विज्ञापन किया जा रहा है। ये स्ट्रैक्चरों का संधारण कार्य आवश्यक रूप से 7 दिवस में करा कर विज्ञापन शाखा को अवगत कराना सुनिश्चित करें। यदि आपदा में किसी प्रकार की कोई दुर्घटना होती तो निजी भवन, भूमि स्वामी एवं विज्ञापनकर्ता ऐजेन्सीयों की जबाबदेही होगी।

भाजपा आज शनिवार को आयोजित करेगी होली मिलन समारोह

ग्वालियर। सांसद भारत सिंह कुशवाह के नेतृत्व में भाजपा ग्वालियर लोकसभा का होली मिलन समारोह आज 29 मार्च को शाम 4 बजे से राजबाग गार्डन मेला रोड पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अपने मधुर स्वर से बुंदेली लोकगायन को देश-विदेश में पहचान दिलाने वाली मशहूर बुंदेली गायिका सुश्री कविता शर्मा अपनी आवाज का जादू बिखरेंगी। साथ ही कलाकारों द्वारा ब्रज की होली और विभिन्न कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि समारोह के जरिए हम अपनी पार्टी की एकता को और मजबूती देंगे और अपनी सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने बताया कि हम सभी को मिलकर इस कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाना है।

कालयुक्तनाम नवसंवत्सर का स्वागोत्सव कार्यक्रम आज से

ग्वालियर। भारतीय संस्कृति एवं परम्परा को बढ़ावा देने तथा देश की युवा पीढ़ी को भारत की परम्पराओं से अवगत कराने व भारतीय संस्कारों को सिंचित करने के लिये नगर निगम द्वारा प्रतिवर्ष हिन्दू नववर्ष नव सवंत्सर महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में नगर निगम द्वारा कालयुक्तनाम नवसंवत्सर स्वागतोत्सव कार्यक्रम 29 व 30 मार्च को जलविहार के तैरते रंगमंच पर आकर्षक फव्वारों की शीतल फुहारों के बीच किया जाएगा। जिसमें पिंगलनाम संवत्सर विदाई महोत्सव और कालयुक्तनाम नवसंवत्सर स्वागतोत्सव का आयोजन सांस्कृतिक एवं पारंपरिक पद्वति से किया जाएगा।

निगम आयुक्त संघ प्रिय ने बताया कि देश की युवा पीढ़ी को भारत देश के संस्कारों से परिपूर्ण करने के लिये देश में वर्षभर विभिन्न त्यौहार, सांस्कृतिक आयोजन होते रहते है इसी तारतम्य में हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ गुढ़ी पड़वा से होता है जिसका स्वागत महोत्सव एवं बीते वर्ष की विदाई के लिये नगर निगम ग्वालियर द्वारा प्रतिवर्ष भव्य महोत्सव का आयोजन किया जाता है। नगर निगम द्वारा संस्कार भारती के संयोजन में आयोजित किए जा रहे कालयुक्तनाम नवसंवत्सर स्वागतोत्सव कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर आज 29 मार्च को पिंगलनाम संवत्सर की विदाई सांस्कृति कार्यक्रमों के साथ दी जाएगी। इसके साथ ही 30 मार्च को प्रातः भगवान भुवन भास्कर की प्रथम किरण को अर्ध्य के साथ ही सांस्कृति कार्यक्रमों के साथ कालयुक्तनाम नवसंवत्सर स्वागतोत्सव का स्वागत किया जाएगा।

पिंगलनाम संवत्सर विदाई महोत्सव विक्रम संवत् 2081 आज 29 मार्च को जलविहार में कर्यक्रम सायं को 6.30 बजे दीप प्रज्जवलन, 6.35 बजे ध्येय गीत- श्रीमती रूपाली गोखले, 6.40 बजे मंजरी काव्य गोष्ठी, 7 बजे संगीत सरिता नवराग मंजरी- अनूप मोघे, रूपाली गोखले, वैशाली मोघे समूह, 7:20 बजे सितार वादन- श्याम रस्तोगी, 7:45 बजे भरतनट्यमधमोहिनी अट्टम- श्रीमती इंदुमती कोयम्बटूर, 8:05 बजे ओडिसी नृत्य- सुनीमा प्रधान एवं समूह भुवनेश्वर द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुति की जाएगी।

आईपीएल का दो दिवसीय फैन पार्क ग्वालियर में आज से

ग्वालियर। टाटा आईपीएल के फैन पार्क का दो दिवसीय आयोजन आज 29 मार्च से कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम के पास स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर में किया जाएगा। यह जानकारी पत्रकारों को बीसीसीआई के व्यवस्थापक अनंत दातार, जीडीसीए के सचिव संजय आहूजा ने दी।

पदाधिकारियों ने बताया कि आईपीएल द्वारा वीक एंड पर पचास शहरों में टाटा आईपीएल फैन पार्क का आयोजन किया जाएगा। इस फैन पार्क में बडी स्क्रीन पर जहां आईपीएल का मैच दिखाया जाएगा। वहीं आईपीएल जैसी ही कई अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। जिसमें म्यूजिक, मर्चेंडाइस, फूड स्टाल, मजेदार पेय के साथ मजेदार एक्टिविटी भी आफिसियल स्पांसर करेंगे। उन्होंने बताया कि यहां आने वाले फैन्स को लगेगा वह स्टेडियम में ही बैठकर मैच देख रहे है। इस परिसर में प्रवेश निःशुल्क होगा। लेकिन भीतर प्रवेश करते समय एक टिकट दिया जाएगा। जिसका ड्रा मैच के इंटरवल में निकाला जाएगा। ड्रा जीतने वाले को आफिसिल टीशर्ट दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर चौके छक्के के पेम्पलेट एवं झंडे भी दिये जाएंगे जो फैन पार्क में आने वाले दर्शक लहरायेंगे। जीडीसीए के सचिव संजय आहूजा ने बताया कि फैन पार्क में फूड स्टाल भी लगाये जाएंगे जो शुल्क के साथ होंगे। फैन पार्क में आने वालों को पेयजल निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। जीडीसीए सचिव ने बताया कि फैन पार्क मध्यप्रदेश में ग्वालियर के अलावा भोपाल एवं जबलपुर में भी लगाये जायेंगे। उन्होंने बताया कि आज 29 मार्च को सायं साढे छह बजे से गुजरात टाइटन्स तथा मुंबई इंडियन के बीच का मैच दिखाया जाएगा। वहीं कल 30 मार्च को देहली कैपिटल्स और सनराइजरर्स हैदराबाद के बीच ढाई बजे से तथा राजस्थान रायल्स तथा चैन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले जाने वाले मैच दिखाए जायेंगे। इस मौके पर आफिसियल टीशर्ट का भी विमोचन किया गया। पत्रकार वार्ता में मीडिया प्रभारी सत्यजीत पाटनकर बाबा भी मौजूद थे।

निगमायुक्त ने दी प्रभारी अधीक्षण यंत्री एवं नोडल अधिकारी सीवर को विदाई

ग्वालियर। नगर निगम से सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को निगम आयुक्त संघ प्रिय ने शॉल, श्रीफल देकर सम्मानित कर विदाई दी। सेवानिवृत होने वाले अधिकारियों में प्रभारी अधीक्षण यंत्री कीर्तिवर्धन मिश्रा एवं नोडल अधिकारी सीवर अजय जैन हैं। जलविहार स्थित सभाभवन में आयोजित सेवानिवृत कर्मचारियों के विदाई समारोह में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को अपर आयुक्त अनिल दुबे ने शाल, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही कर्मचारियों के पीएफ की राशि बैंक खाते में पंहुचाई। सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों में स्वास्थ्य विभाग से लालाराम पारछे, राजस्व विभाग से सीताराम बाथम, फायर विभाग से दिलीप सिंह चौहान, जनकार्य से प्रकाश, चिड़ियाघर से मोहन सिंह कुशवाह एवं सफाई संरक्षक चंदन आदि शामिल हैं। इस अवसर पर एमआईसी विनोद यादव माठू, अपर आयुक्त विजय राज, मुनीष सिंह सिकरवार, अनिल दुबे, उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता, अधीक्षण यंत्री जेपी पारा, नोडल अधिकारी विद्युत सुश्री अभिलाषा बघेल, सहायक यंत्री रामबाबू दिनकर, उपयंत्री सीवर लल्लन सिंह सेंगर आदि उपस्थित थे।

ग्वालियर चंबल संभाग के हितग्राहियों के खातों में पहुँची 58 करोड़ 76 लाख की अनुग्रह सहायता

ग्वालियर । संबल योजना के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को सिंगल क्लिक के जरिए ग्वालियर दृ चंबल संभाग के 2 हजार 693 हितग्राहियों सहित प्रदेश के कुल 23 हजार 162 हितग्राहियों के खातों में 505 करोड़ रूपए की धनराशि अंतरित की। जिसमें ग्वालियर संभाग के 1584 हितग्राहियों के खातों में 34 करोड़ 73 लाख व चंबल संभाग के 1109 हितग्राहियों के खातों में पहुँची 24 करोड़ 3 लाख रूपए की धनराशि शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की मौजूदगी में भोपाल स्थित मंत्रालय में आयोजित हुए प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम से यह अनुग्रह राशि हितग्राहियों के खाते में पहुँचाई। ग्वालियर संभाग के ग्वालियर जिले के 288 हितग्राहियों के खाते में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 6 करोड़ 7 लाख, दतिया जिले के 207 हितग्राहियों के खातों में 4 करोड़ 49 लाख, शिवपुरी जिले के 648 हितग्राहियों के खातों में 14 करोड़ 44 लाख, गुना जिले के 187 हितग्राहियों के खातों में 4 करोड़ 5 लाख एवं अशोकनगर जिले के 254 हितग्राहियों के खातों में 5 करोड़ 68 लाख रूपए की धनराशि पहुँचाई गई है। इसी तरह चंबल संभाग के मुरैना जिले के 468 हितग्राहियों के खाते में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 10 करोड़ 38 लाख, भिण्ड जिले के 177 हितग्राहियों के खातों में 3 करोड़ 88 लाख एवं श्योपुर जिले के 464 हितग्राहियों के खातों में 9 करोड़ 77 लाख रूपए की धनराशि अंतरित की गई है। ग्वालियर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव व भाजपा जिला अध्यक्ष शहर जयप्रकाश राजौरिया मौजूद थे।

भाविप सहयोग शाखा के निर्वाचन सम्पन्न, राजकुमार अध्यक्ष बने

ग्वालियर। भारत विकास परिषद क्षेत्रीय एवं प्रांतीय निर्देशों के परिपालन में सहयोग शाखा ग्वालियर वर्ष 2025-26 के निर्वाचन शाखा संरक्षक अनूप अग्रवाल एवं संस्थापक शोक गर्ग के नेतृत्व में निर्वाचन अधिकारी अशोक हयारण के निर्देशन में राममंदिर फलका बाजार लश्कर में 38 सदस्यों के बीच सम्पन्न हुए। निर्वाचन में अध्यक्ष पद पर राजकुमार गर्ग फत्तेह बाबा, सचिव पद पर आनंद अग्रवाल रंगवाले एवं कोषाध्यक्ष पद पर सुभाष अग्रवाल निर्विरोध निर्वाचित हुए। आभार रामनाथ अग्रवाल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में शाखा सहयोग से रवि कुमार गर्ग, महेन्द्र कुमार गर्ग, विष्णु अग्रवाल, कृष्ण कांत अग्रवाल, अरुण बंसल, किशन गुप्ता, कन्हैया लाल सिंघल, तुलसी दास वैश्य, आनंद अग्रवाल रंगवाले, दिनेश अग्रवाल रक्तदान, प्रकाश अग्रवाल, नरेश जैन, संतोष तायल, आनंद मोहन अग्रवाल, नरेंद्र अग्रवाल, अनिल गोयल, दिलीप बंसल, प्रो एसएस अग्रवाल, सुरेश चंद बिंदल, गिरजेश सिंघल, दिनेश चंद बंसल, गोपाल दास जैन, के.एल. मंगल एंव रमाकांत चौधरी (गर्ग) आदि उपस्थित थे।

कचरा खुले में फेंकने पर ग्वालियर ग्लोरी स्कूल से वसूला जुर्माना

ग्वालियर । शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने बताया गंदगी फैलाने पर शुक्रवार को हरिशंकर पुरम स्थित ग्वालियर ग्लोरी स्कूल पर 2000 रूपये का जुर्माना किया।

इंदौर शहर में 5 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य पूर्ण

भोपाल। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी केंद्र एवं राज्य शासन की प्राथमिकता वाली स्मार्ट मीटर परियोजना का अत्यंत तेजी से प्रभावी रूप से संचालन कर रही हैं। शुक्रवार को इंदौर शहर में स्मार्ट मीटर स्थापना का आंकड़ा 5 लाख पार कर गया। इस उपलब्धि पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने पश्चिम क्षेत्र कंपनी के कार्मिकों को बधाई दी है। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि स्मार्ट मीटर सेल के साथ ही जिलों की टीम स्मार्ट मीटर परियोजना का बहुत ही गंभीरता से संचालन कर गुणवत्ता से मीटर स्थापना, सटीक रीडिंग, डाटा कलेक्शन, त्रुटिरहित बिलिंग इत्यादि कार्य कर रही हैं। एमडी श्री सिंह ने बताया कि उपभोक्ता सेवाओं में वृद्धि करते हुए स्मार्ट मीटरीकरण तेजी से जारी हैं। इसी के तहत इंदौर शहर में 5 लाख 500 स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। यह संख्या मप्र के किसी भी शहर में सर्वाधिक हैं। इंदौर के बाद कंपनी क्षेत्र के उज्जैन जिले में 1.12 लाख, रतलाम जिले में 1.10 लाख स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। अन्य जिलों में 10 हजार से 55 हजार स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। कंपनी क्षेत्र में 11.46 लाख स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में करीब ढाई से 3000 स्मार्ट मीटर प्रतिदिन लगाए गए हैं।

शैक्षणिक चुनौतियों और समाधान पर शिक्षाविदों ने किया चिंतन

राजभवन में हुई एक दिवसीय कार्यशाला

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल के निर्देश पर आयोजित ÷कर्मयोगी बनें÷ कार्यशाला का चिंतन सांसारिक जगत के आध्यात्मिक कल्याण के समागम के महाकुम्भ के समान शैक्षणिक व्यवस्था की चुनौतियों और समाधान के कुम्भ के रूप में उभरा। कार्यशाला में कर्मयोगी शिक्षा व्यवस्था के लिए प्रदेश के 78 सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, कुलपति, कुल सचिव, प्राचार्य पी.एम एक्सीलेंस और स्वशासी महाविद्यालय के शिक्षाविदों के मध्य संवाद की अभूतपूर्व पहल हुई। समापन कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव के.सी. गुप्ता ने शिक्षाविदों को स्मृति प्रतीक प्रदान किए।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र के प्रथम वक्ता के रूप में मानव संसाधन क्षमता निर्माण आयोग और मिशन कर्मयोगी भारत सरकार के सदस्य प्रो. आर. बालासुब्रह्मण्यम ने ÷चुनौतियों को अवसर में बदलना÷ प्रेरक शैक्षणिक नेतृत्व के लिए एक कर्मयोगी का दृष्टिकोण÷ विषय पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थाओं को विद्यार्थी कल्याण और हितों पर केंद्रित होना चाहिए। संस्थान बच्चों के हित में रूल्स बनाए। इन नियमों का क्रियान्वयन भी विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखकर ही किया जाए। प्रो. बालासुब्रह्मण्यम विद्यार्थियों की क्षमताओं का निर्माण भविष्य की आवश्यकता के लक्ष्य अनुसार किया जाए। रिपीटेटिव की जगह रिफ्लेक्टिव एजुकेशन पर ज़ोर देते हुए कॉम्पिटिटिव और कोलेबोरेटिव तकनीक का इस्तेमाल कर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारें। उन्होंने कहा कि अध्यापन के दौरान शिक्षक, विद्यार्थी अपेक्षाओं के अनुरूप खुद की तैयारी करें। प्रभावी अध्यापन के लिए तकनीक का प्रभावी इस्तेमाल करें, समय के साथ होने वाले तकनीकी अपडेशन से परिचित रहें। प्रो. बालासुब्रह्मण्यम ने कहा कि विश्वविद्यालयों को विकसित भारत बनाने के लिए लीडर्स प्रोवाइडर बनना होगा। बिज़नेस एटिट्यूड के बजाए एकेडमिक एटीट्यूड पर काम करना होगा। विषय की शाखाओं के अनुसार ही अध्यापकों का चयन किया जाए। शिक्षकों को संस्थान के नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल करें।

विश्वविद्यालय को रिसर्च इको सिस्टम को विकसित करना होगा- प्रो. के. राधाकृष्णन

आई.आई.टी. कानपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. के. राधाकृष्णन ने ÷भारतीय शिक्षा नीति- कार्य को पूजा में बदलने के चरण÷ विषय पर उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षा व्यक्ति और समाज को बदलने का सबसे सशक्त माध्यम है। विश्वविद्यालय को रिसर्च इको सिस्टम को विकसित करना होगा। शोध से ही ज्ञान का परिवर्धन और परिष्करण होता है। सत्र में नई भारतीय शिक्षा नीति के माध्यम से महान भारतीय ऐतिहासिक ज्ञान और परंपराओं की प्रासंगिकता पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अपने लंबे अंतरिक्ष वैज्ञानिक जीवन में कर्मयोग सिद्धांत के महत्व की उपयोगिता और प्रेरणा पर आधारित प्रसंगों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया।

समाज के समस्त प्रश्नों का समाधान, शिक्षा के मंदिरों से होगा : उच्च शिक्षा मंत्री परमार

भोपाल। समाज में किसी भी तरह के संकट का समाधान करने कोई और नहीं आएगा। समाज के संकटों के समाधान भी, समाज की ही सहभागिता से संभव हैं। वर्तमान परिदृश्य में जल संकट एक सामाजिक प्रश्न हैं, इसका समाधान भी समाज को ही करना होगा। जल की एक-एक बूंद हमारे लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है! जनजागृति का यह संदेश जन-जन तक पहुंचे और जल संरक्षण के प्रति सामाजिक चेतना की जागृति हो, यह अत्यंत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है। वैश्विक परिधियों में आने वाले समय में कुछ ऐसे भी और संकट हैं, जिनके समाधान हमें शिक्षा के माध्यम से ही मिलेंगे। समाज के समस्त प्रश्नों का समाधान, हमारे शिक्षा के मंदिर ही करेंगे और हम उसकी ओर आगे बढ़ रहे हैं। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने शुक्रवार को भोपाल स्थित रविन्द्र भवन में ÷परमार्थ समाजसेवी संस्था और समर्थन संस्था÷ के संयुक्त तत्वावधान में ÷जल संरक्षण के प्रति जागरुकता÷ के लिए आयोजित दो दिवसीय ÷वॉटर फॉर ऑल - ऑल फॉर वॉटर÷ कार्यक्रम का शुभारम्भ कर कही। मंत्री श्री परमार ने प्रदेश के बुंदेलखंड के विभिन्न जिलों से आए, नन्हे बच्चों एवं विद्यालयीन विद्यार्थियों के द्वारा जल संरक्षण पर तैयार की गई प्रदर्शनी का शुभारम्भ भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में जल का संरक्षण करना बहुत बड़ी चुनौती है और यह चुनौती इस रूप में है कि हमारे पूर्वजों ने जल का संरक्षण करने का मंत्र दिया था लेकिन वह हम भूल गए हैं। भारतीय समाज में यह ज्ञान रूपी मंत्र, पूर्वजों के द्वारा स्थापित परम्पराओं एवं मान्यताओं के रूप में विद्यमान है। जल संकट अलावा भी दूसरे संकट सामने दिखने लगे हैं, इसके लिए फिर से जन जागरण करने की आवश्यकता है। लोगों को जल संरक्षण के विभिन्न तरीकों से अवगत कराना, यह केवल सरकार का ही नहीं बल्कि समाज का भी दायित्व है और हर सामाजिक संगठन और हर व्यक्ति की भी जिम्मेदारी है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि जल संरक्षण के लिए कुछ ना कुछ प्रयास करें। जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे प्रयासों को और गति देनी होगी। मंत्री श्री परमार ने कार्यक्रम आयोजक संगठनों की सराहना करते हुए कहा कि आपने जो जन-जागरण का जिम्मा उठाया है, इससे निश्चित रूप से समाज में जागृति आएगी।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि आज पानी, जमीन में नहीं जा रहा है। पानी जमीन में जाने का सबसे बड़ा माध्यम वृक्ष है। पानी को बचाने के लिए वृक्षों का भी होना बहुत आवश्यक है, इसके लिए प्रचुर मात्रा में वृक्षारोपण भी आवश्यक है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि जल संरक्षण के प्रति लोगों में जागृति आ रही है। भले जागृति लाने वाले लोग शुरू में कम होते हैं लेकिन धीरे-धीरे यह कारवां बढ़ता जाता है। श्री परमार ने कहा कि जनजागृति के ऐसे आयोजनों से, आने वाले समय में पानी का सदुपयोग करने और उसे अनावश्यक खर्च करने को लेकर जनमानस के मध्य अनुशासन स्थापित होगा।

मंत्री श्री परमार ने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पानी का एक एक बूंद हमारे लिए महत्वपूर्ण है, यह संदेश जन-जन तक पहुंचाने में निश्चित ही सफल होंगे। श्री परमार ने कार्यक्रम में प्रदेश के बुंदेलखंड के विभिन्न जिलों से आए नन्हे बच्चों और विद्यालयीन विद्यार्थियों से संवाद भी किया।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मैं. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं प्रकाशित, आरएनआई नं. MPHIN/2003/09780
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, सहायक संपादक गोपाल सिकरवार 9826949508, महाप्रबंधक श्याम शिवहरे सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरैना न्यायालय होगा।